# ना जना प्रमा

#### व्यथ शरार्ग वंग्यन।

्रेन्स्। एवं निष्क नीय, निष्क कह गमकायः गहा रही मकत् बन्दव। भारत्। करेशा शास्त्र, शृत्क व गृष्ट शास्त्र, निताशक एक् प्रकाननश अकाय अशिया शायः मीन रान मिन अन्नाम, उन काम यशिवात পुजा मीतनम कि चार्छ শক্তি, মূলাপার ডক্তিশক্তি, যথাশক্তি দিয়াছেন িছু। পদ রক্তাপুর চারু, উরু জিনি রস্ত। তরু, স্থূল কায় লক্ষোদর অভি। নাভিপন্ন কি নুন্দর, মনোহর চত্ত প্রব্যু অঙ্গ পুভাবহিং তুল্য ব্যোতি। কিবাইভানন শো ভা-পুভাকর নিন্দিপুভা, দেখি মোহে বিলোকেঁর মন। মৃষিক উপরে ছিতি, দর্কত তোমার গতি, নানে হয় বিপদ ভঞ্জন।। আদ্যা**শক্তি তক সাতা, দেব দে**ক इन् भिजा तारे अन्। शृक्षा अभु जामा अर्भ मर्जा जिन भूतः, भाव जार्भु भूका करतः, यक तक किवत कि नाभ।! আমি কি জানিব ততু, ত্মিতমোরজঃসতু, ভুমে ভিন্ন ; विधि महाकार । नीन। अञ्चिष्ठ हम दकार, युरंग युरंग अव তার, ভেদ ৰাপ অংশেতে তোমার।। স্থাবর ভক্ষ আ निहुमकरनित्र जुनि चारि, चनापि शुक्रम मार्तेष्टिमात्रः তুমি দিবা তুমি রাতি, নক্ষতাদি বার তিথি, অসীম क्रक्षा भावायात्र ॥३३३

্ৰত্ব সরস্বতী বন্দন্

वन गाउ। महत्र छ। महत्र ह वानिमा। वानु विम् বিশায়িনী বিপদনাশিনী গা ব্ৰক্ত কোকনদ প্ৰায় হেরিয়া চরণ। <u>भ</u>ुरम अ**क्** शांश मकत्रन्म व्यान्यरना। स्थाजारम् ত্ৰিভক্ৰ ভলী সুৱন্ধিৰ ঠা**ম। খে**ত বাণা খেত ভুৱে শোভে অবিরাম॥ সুথ বিভাহেরি লাভে বিভাবরী नाथ। घरन मारन जाभनात मार्टनत वार्याउ॥ उद्धान मा ত্ৰী বেদ বিধি পুবৃত্তি নিবৃতি। ধৰ্ম কমা জগা তপ তুমি यदगार्वाजि॥ जुनि वास् विक् वाति गएकानाग किकि দিবা বিভাবরী সন্ধাসকলের গতিয়া পুরুষ পুকৃতিভুমি জগতের **শর্মা। অন্তরে** জ্যানিতে পার অন্তরের কমা।। भासकी माविकी यासा भार (यागा स्यागा उठ यख म হৌষধি তুমি মহাযোগ 🏿 শরণাগতের চিত্তে চিন্তা কর नाम । विना दिए इस एन अ भुद्र भुकाम ॥ ७०५भक्क অরি করেছি ভরসা। কুপাময়িকৃপ। করি পূর্ণ কর alal II

व्यापुत्रा वन्त्रना

पृशास विकि या पूर्ण प्रबुक प्रवानी । पीटन एसा पान रिया ताथ पाकासनी ॥ पृथ्य प्रिथि पिश्रपति पिया श्रम कासा । पतिपुठा मृतका प्रिवि यहा यासा ॥ प्रत्म प्रवान यास पिन एस्थ ना शा ठ एक । पिश्रपत पाता पिन देपिक् पान श्राक ॥ काठ्य क्रक्ना यसी कृति उशानना । कान उद्य कि कृति या कह कानाक्रना ॥ काटन काटन श्रञ কাল হয় গো মাকালী। কলির কলুষ ভয়েকরে এজ কালী। বানে বিজ্ঞবারে মন্বিরত সদাই। বানে বারে বারে বছ দুঃথ বহিতে এড়াই।। কাশীতে বসতি বাঞাকরে ইবাসনা। সভানের ইবাসনা সাধ শ্বাসনা।। তুমি সম্মানী বগ শৈল আদি করি। ত্রিলোকের ক্ষেম দালী তুমি ক্ষেত্র হিছি কালী শুনিতে অসম্ভব।। সর্মানত সে সালী শুনিতে অসম্ভব।। সর্মানত সে সালী শুনিতে অসম্ভব।। সর্মানত সিলাদি অসীতা। নাশিতে কৌণপ কলা ভূমি গোলি দালী বা।। তোমার শ্রীশাদ পদ্ম হনে করি মালা। বিজ্ঞানী গদি করে এগুছ পুরাশা।।

ভাগু নানা দেব ব**ন্দনা ও সং**ক্ষত্তে নাম কথান

लीनिवत की हत्। विकशा वाउदत्र।

काञ्चमत्न कानी भप वन्ति उत्तर भारत ॥

निष्युद्रम नीना भुका भिना महस्य का भी।

প্রক্রে পতনেতে হয় হল বাসী !!

দয়াময়ি দয়া করিদিতেচ্ছেন অগ।

মূচজন মুক্তি পায় সিদ্ধ হ'ন ভন্।।

(थो उराज्ञ (योनमाङ विन्त शत्र (योनि ।

পাতকির পাপ্তাপ নাশিবেন তিনি।।

वितान खारम बताहे हे जु ह न्तु ठा हा भना।

যথাক্ষরে যথাসাধ্যে নাম বিবরণা অথ গুহুকভার পরিচয়

, छ्शनित्र शन्धिम शाम, ७ फँगारेशानाजा नाम, नहीं

शाम जर्मुत श्रुवान। यह युक्तित्व वाम, मद कर्या यात् भाम, इङ लाक करत मान ध्रान ॥ उथाश बोकानी शम, সারি বাগ্দেবি পদ, পুথম পুর্ত এই গুল্ভ । ছেরিলে **এ গুহু দোষ, কেহ্ না করিও রোব, যেহেন্দ্র** লক্ল ংচু ভাতে ৷ উৎপত্তি দিজ কুলে, মান্যান মই কেল, व्यमुक्टन द्वाञ्चन ठब्रन । यहन्य म्यार्टी याहे, श्रात एव ন্তন ভাই, পশাধর ঠাকুবের দন্তনে।। পিতা গল্পনাল चपः **नोतास्य भवास्यः भूपातान् य**ाडियान चाहिः নয়টী তনয় তাঁর- ৰূপে গুলে বুল চকার- আমি মান ল जि हीन गाँउ।। गाँउ।म रिङ्यात् हन्तुः, कूल शरकः छुन। **চন্দু, মতুল্য ভাহার যশোজান**া হতিরুগের ব্যক্ষিত (इ नेपी नंत्रस्त्री, भूदर्क शका मस्या वाल साम ॥ वाला পাধ্যায় উপাধিতে, সাগর দএ আখ্যাতে, ্রেদ্রান চক্ৰভিন্ন **महान। মা**তুল **ই**)ভেলোনাথ, খডেদ নে (अलीनीय) भाउ पाउ खरन खनग्न।। माजामस् वाचि য়া ভাকে, গিয়াছেন পদ্ৰনোকে, পদ্দিচয় শুন দৰ্শজন 🖟 शुनणः भितापियद्भुद्यनारि पाय नद्य, (य एक् व्यवहा न वर्गन ॥ विद्यारम सन्वर्ग सन, जूस सदस नर्वक्रम, जुल **থত্তে নাধ্য আ**ছে কার। অস্র অমর নরে, ভুল আছে मवाकादर, जामि थिछि कि माना आयार ॥

व्यथ शृहां तस्य भारति ।। अन मत् वक्तु गण तरमा कथन। जभात जानन तम সিন্ধু বিবরণা৷ পারস্যদেশেতােএক ছিল মহাজন**া** পু

তাপে बारिका ज्वा मन्द्र जान । नाव गम् वर्ग किया किनिया मुचन । सित भीत जुकि भाग मान खेन। कन।। দেব**্ৰীঘৰ** গুৰু ভক্ত আসক্ত ঘ**মে**তে।সভ্য কেন্তু খাখ্য। তেবিখ্যাত্রধরণীতে ৷ সভান বিজ্ঞীনে সাধ্ আছি ৷ वत्रकृता वस् यात्र पक्त भद्भविषि धनुस्य १ अक कारन হয় তার যুগল কুমার) লেহে সম ৰূপে ভগেবেন। দুই भाइ॥ अथर। अथिन। पुछ एक लग्न मन। अभ उर्ग सम করে সুত্র কিরণ ে **ক্ষে** বাতে শিশু ৰয় সাধু পায় স্থ ছ। मात्म यस निन कविया भिञ्च ॥ सपमानी सप्रकेख पुंबद्भाव माना देशका पुरे लाहे वह छ। यात्र ग अस्म 5 रेण भव काल मुख्य शङ र्य । लाख्य कारन एन श्रकात्र योजन जिल्ला। जकन विखास छोता ५१८न निल्लानभद्रत घरवा शुकारिन घटना उना। आध् मा খু পড়া নৃথি পুগের গুলেতে। পুতিগ্র করয়ে পুতিব नि मक्रान्ट । वाजने वर्भव वय प्राप्तिवर्थन। यान शीन पूरे लिख रहेन उथन।। शिक्षा कटल्य स्मार स्मर अनु अत मन्त! को बुक्त का होन कान वार्नान्त अपना ।। मा রাশরি গুহে সাধুর নাহি ছিল মন। পর পরামশে পুন क्रिन शुरु।। भूकी दक्षि मनाभन वर राजमाहै। निसा निष्ट्रल पूरे शको जाका दित ठारे ॥ शालन कत्रास एम एक् क রিঞা কৌতৃক। মনোহর দুই পক্ষী নামে সারি "শুক।। নর্ম শান্ত জ্ঞাত তারা বলেভবিষ্যৎ পেরামর্শ দিয়া তার খণ্ডায় বিপৎ।। দৈব যাহা করে থণ্ডে ক্ষমতা কাহার।

# ॥ तम निष्यू शुभ विनाम॥

भून बे। देभाग्न बाहेट जाई। ह्यु जात्र ॥ मिलिक जाकिया সমিশি য়া নর্ম ভার। সফর করিতে সাথু কৈল অগুসার भक्त कारने शृद्ध मम आरक् मात्रि मुका दिंग हात्र चिला खरममाहि किछू पुरथ।। এই ভাবি হরি সারি আরোহিল जिति। मृत्या भ में ब्रह्म जित्र श्रुनिन का छाति॥ अवित्रज हत्व लोका नाहिक विणुष्य। एए एवं हेव नाना एम कउ কন নাম।। কভু দাঁভ কভুপাল গাইতেছে ভরি। দূই মা নে উত্তরিল পৃমিল। নপরি। লাগাইয়া তরি ঘটে উঠিয়া छेপরে। रायमात জন্য ছির করিল অন্তরে॥ মনোছ্র খাউ।তিকা তথাকরি। কয়। কাণ্ডারি ডাকিয়া **সর্ব** পুর্যতলি লয়। নানা রভ পউবস্তা পুত্তিক করি। ইদাগর করিতে লাগিল সদীগরি॥ পুরুষ নাহিক রাজে দ সকলিরমণী । রম্পায় স্থানে বঞ্চে সাধু শিরোমণী।। নুখহ দকল লোক যেজান সন্ধান। পৃমিলারর।ছে । তার বৃদ্ধি যত মান ৷৷ দেখ সৰ লোকে কোন দুবে বে অভাবে ब ভাবে করয়ে পূজ্য রতু সমভাবে॥ এই রূপ সাধুতথ। কর্য্যে বাপন। অভংপর কাব্যর্স কর্ছ শুবণা। সদাগর থাণিক্তেতে করিলে গমন। সাধু পত্নী হৈল অতি উচ। চিত দন।। একেতে পুৰল তর যৌৰ্বন উদয়। তাহাতে আগত **হৈল** বসন্ত সময়।। **আগেতে দূতের মত আ্লি** शिक गर्गा अन्याम कानाए**ं भि कतिल बात्रस्न**।। अँहर রবকরি বসিতরু মূলে। কহিতে লাগিল সভে মৃদ্ধ ২ স্ব রে।। হইল হেমন্ত অন্ত ভূপতি বসন্ত। উদয় হইল আমি

# रा तम । मन् मुगादनाम।।

ষ্টেন্ড সামন্ত।। অত্এব যত আছু রাজ্যে পুভাগণঃ कत्र करत्र कत्र मया ।।। श्वनिया जनकाप्र यक प्युव ক মূৰতি। সমাপন কৈ তর হয়ে স্ট মতি ॥ পরেডে কোকিল বর বিরহি সমুখে। আদার করিতে চলে অনের কৌতুকে। সমাচার দিবামান বি লোগিরগণ। দূর দূর শব্দ করি করিল ভাড়না কুপিত হইয়া তবেকোকিলে র জল। বসত নিকটে গিয়া কহিল আমূল যা শুনিয়া স গিত ভূগ মদনে ডাকিয়া। পাঠাইল কর জন্য পুলয় 🍝 রিয়া। তবে দেনা পতি নিয়া ফুল গুনু বাণা বিরহি শা সিতে বার করিল উঠান ৷৷ তাহে পুথামেতে যুড়ি শর শ াননে ! ছানিতে লাগিল অতি কোপানিত মনে ৷৷ বি য়োগার পক্ষে যেন বিয়োগী কৃতাত। নাণ্ডনে বারণ কার নিতান্ত অশান্ত॥ হেথা শ্রালাতে তার মূল্য চাতা**লে।** লাধু পতি পড়ি গেল বিষয় হতাশে।। কাল পুায় কাল पिथि शुभियाद विना अभित शुभन करन दिन सना ঞ্জ লি।। সাধ্র আছিল মজি উদ্ধত নামেতে। ক্রেম দে রুমণী মজে তাহার পিলিতে॥ দিবা বিভালার দৌহে থাকে একাসনে। পূণয় বাড়িল ক্রমে যুজনার মনে।। সং গুপতীকত্রী নিজে সভার উপরে। কেই কিছু নাহি ব া**ল্সভয় অন্তরে ৷৷ ছাপানাহি থাকে কভু** অধ্যা বিষয়া নগরেতে পুচারিল গোল অতিশয়। ষর্ণনালি জ্যেষ্ঠ छह নি শুনি এই কথা ৷ বিমাতার দুষ্ ক্রিয়াতে মনে পাইল ब्रथा।। মজিবরে আসিবারে করিল বারণ। বারণ তাহা

The state of the s

प्र महामार्ग यादगा शुगवरमं घडिया कतिकति शुग्र वंगिनिनिनि तरन निजार याया। भरत अक पिन गृरस् দাধুর তনয়। বিমাতার সমীপেতে কোধান্তরে কয়।। এ কোন বিচার মাতা কহ বিবর্ণ। উদ্ধত অন্দরে আমে कित्मत कारणा। श्रन यहि शराशन करत् तम अयो त्वा वि শ্যুর কহিনুভারে নাশিব পরাণে ৷৷ তনরের সুংখ বালী শুনি বিচারিনী। অধ্যে মুখা হয়ে রহে না কহিয়া বার্ণা उंत्रुत मा बाली आभियों वास्टित। निवतन करह सन ৰিজ নশোদরে। এখানেতে সাপ্দানা অপমান পেইয়া যুক্তি করে মারি করে নাশিতে তনয়ে।। অভয়ামী ংখক দ্রভানিয়া অভবে। ওকের বিনাশ দ্থার্থে জাঁথি ঝোরেয়া ভাতি দরে ডাকি তবে করিয়া গোপন। কবি (जिक विव त्रिशा मकन कथन ।। छो दब पाद' मिर होत क्रि वाद्या अभूषि का निया करन या न जाना सरहे ॥ शाहेरर পারিবেপাণ গাত্রপার গুণে। আর এক পরামশ্ভন म्बारम्।। अहे ारथ मृष्टे भकी उत्त शक्त या छ। मृष्टे बारम ভক্ষ্য দোহে পাইডা নিষ্কৃতি ৷ হয়েছে ত্ৰিকাল গড লাড়ে অলপকাল ৷ আজি কা লমধ্যে বাছা লইবেক কাল বাসনাসকালে সাথ যিছে যায় কাল। সারির মুজ্জে खर। इहेरव जुनान ॥ यम मुर्ट्ड वह मृत्र भाहेरवक नि থি ৷ ভক্ষণ করিয়া ন্যা**নন্দে হাস যদি ৷৷ যেই অঞ্জে দুই** ক্সনে ক্রিবে নিধন। অজ্ঞের হইবে শক্তি পাযাণে ছেদ ন। বিমাতাহয়েছে তব উপপতি রতা। বাঞ্ছাতার কত

करा का दिवक माधा। सभक विभक उर भक्षीया ब পক্ষ। দুৰ্গম ত্যজিয়া যাহ খারি বিৰূপাক ।। করোনা কিঞ্তি মোহ করিতে নিখন ৷ নিখনে হ্ইবে ধনি নন্তবা নিবন।। দ্পক্ষে ছপফি যদি কহিল বঢ়ন। বিলাপ কর त्य वह जोहे मुहेक्त है श्रांग व्यात्म वाद लात्व नानि व नि शोरम्। जेक्न कल्नि जिविष्ट मुथ आत्म ॥ श्रदम ल्म कविशः (एम प्रक्रिकः विदन्तः । चिकिनश य५ लाभ त्म एक त्मत आदम । तिया वहे ह्य ह्य भगत्म मनीत्र। याचिनी (घारंगरल इंश्वनंगत वाहित 11 व्यवि मुख हरन श्य नाहिल विশु म। क्राङ्गेन वक्षम कछक्वनाम। বিপলে সুপথ শ্য করে তীক্ অমি। অসির আযাতে না ला वृक्त का निवास चहने। जनव निवि निव नामा पर শ। কাকীপুর সমিকটে উভরিল শেষ।। হইয়া কেশিত उन्हिम जिन तम । विभूति कतिता मन देवन अर (m) 11 [1

जिन्नी। जुनि वह प्रमाप्तम, नृष्टि जिन्नी वह जिन्नी प्रवास कर्मा क्रिक क

बाकति चात्र, मोगुर्७ जनुमत्र, भागतका उभनक जु মি া শুনিতার সহোদর, সনেয়ণে সরোবর, দক্ষিণেতে চালাইল হয়। রাথিতে গথের চিহ্ন, বৃক্ষগণে করিছিন্ন কিছুদূরে পায় জলাশয়।। বহু ক্ষে পেয়ে পয়, মনেহ র বিতহ্ম, হ্য় বরে বাকি তরুমূলে : মনোহর সরোব র, ছেরি ছরিষ অন্তর, মর্ণ মালী নামিলেন জলে ॥ নছে ক্ষুত্র ভলাশয়, মনে হয় ভল্যহয়। বিরিঞ্জি মানস সরে। ব্রে। সোপান সুন্দর অতি, যেন করী দন্তপাতি, বিশা ই গঠেছে নিজকরে।। ভট অভি সুশোভিজ্য হেরিলে भवत्य हिन् उपूर्णतः शुर्द्वत छेपाम । भूदर्भ शुर्काद छ। র, ভাষাতেও শুস্তার, ঝালরেতে করে দাপ্তিমান ॥ গু हटने निथि छ श्ये, मूत्र मनि शुक्रियं , कित्रन भुकाटन ष्टारन इतन । क्लिमिश्याक मधुवन, द्वान एस लधुवन, বিহুজে বিরাজে সে বিলিনে ॥ পুনু গজে ইংচিত, না না পুছু পুস্ফু টিভ,জাভি সুতি নছিক। সেফালি। অশে। ক কিণ্ শুক বক্ত বহু সুগদ্ধি চম্পকত গন্ধরাজ আর ক্ষ किनि। हेगद मिडेडियरा, मृयंत्रानि मृयंत्र्यूडा, नारम धव लामा १ पृष्ठि। हारमनि गामा (मा भाहि, कृष চূড়া পরি পাটি। করবীর সুরভী মালতি।। ফলের কি ক্ষেমান, উপমার অনুপাম, নানা ফল ফলিয়াছে বৃক্ষে পক্ষের পক্ষের কথা,যত স্জিয়াছেন ধাতা, পুতি পক্ষী (महे यन**शत्क ॥ नीर**वृत्र निर्माण ভाৰ, वाद्य**रमद (न**क्छ) व, शित वाति (इति इति छिछ। शादन शादन कमिनी

र्दा आहर शुकालिनी, नाथा जादव अभूमी मुफ्छ॥ भ রোরুহ পত্র করে, লয়ে মাত্র বারিকরে, উঠিয়াছে লোপান উপরে। হেন কালে ক্রতকরি,সম্মুখে আদিয়। করী,ধরিতারে নিলশিরোপরে। কাঞ্চীপুরে রাজা শূন্য, कतीयान रहा भूध, ज्ञान कतिया वर् एम। (रुति स्न गरनार्व, नराञाति श्रधान्त्व, काकीश्द कविन न 'तम्। भ वारकात अहेतां कि भूमाभन चारक भीकि, या तम भनाम इस जुला भातित भिरतर छए। भूरण दरम नि हा मदन, धाडाइ निधन अभवता । अथा सर्ग मानी দ্খি, অনেক বিলম্ব দেখি, মনে বহু উপজিল ভয়। উ म्वि**ष इरम्र भरन, भर**म्भिन्न अस्नुयरण क्रम्य। अरत उँअति े ह्या। (हति दङ वृक्षिकः भारेश। भध्यत हिरू म ताव्**दत् উপনীত হ্য । ना ए**श्विशा नद्शान्दकः भिद्या क রং**বাত করে, প**রে ত্রের বৃষ্ণে বান্দা হয় য় জীবন করি হা, পান, জীবনে জীবন পান, শোক চিত্তে দাণ্ডান সেঃ পানে। বিধি বিধি করে যাহ। কণ্ কে থণ্ডাবে ভাহ। বুঃ**থসুথ** অদুষ্টের গুণে 🛭 নৃপ: অম্ব গেছে চোরে, তত্ত্ত ति निभावतः, रेपन खारण उभनीज उथा । एति पूरे चश्रवद्य, वाश्विद्यक माधुकद्य, वदन हात यात्र खाद (क्षा ।! नुर्धत উপরে দুখ, দাধু দুত অংব। নুর্থ, ঈশরে পোরণ করে মনে। ইরবিত নৃপদূত, বাহিছে বণিক সূত্র, चानिदनक नृপ निवधारन ॥ श्वर्भ रक्छ नृश्यद्यक्रनो हिनियाँ नदशपत्र, अनुमां पिन नामिदादाः काष्ट्रांदन विशाह

जाय, विनामित् निरंगा स्वाया स्वाया कार्य के कि कि के विक् कर्ट्ट् इन्नाम जाहे, भाग जिका उपकोहे, भाहे यि मिर यह इन्। ममागत এতবिन, कि दिस कहा छानि, हा मा करत कि दह यन। तरन्त भाग कहा कि कहा करत कि मिराकित, भाग भाहें ये। जहा पित हा दिस महत्वे भा दा जान, नगरदत्त मर्था यान, भाग न्थ हमा जनभारन।। जनभान कि भरत, भरत जिक्नारमन भरत, रिक्षेतारत जागन मर्कते। कहा नाहि प्रमुख हान, जुनिरहन मानास्त्र, स्नान हमा होस्क मास जाती।।

নগরে নাহিক কেহ স্থান अंग्रीय त দিল তায়। ভাবনা হইল ভারি কি করে নিশায়। দৈ বের নিচিত্র বল লব্দে কোন জন। গণিকা আলয় এক ক রিল ছব্র ।। সম্পুথে নেহারি সেই পুরী মনোহর। দৌ नां दिक विकामा करते भगांशत ॥ कर्षात शांव म ত, তলু মমহান। কাছার খালয় এই হোরি বিদ্য**মান** দ্যারি কয় সহাশয় শুন পরিচয়। পদিনী নামেতে এই বেশ্যার আলয় 🛭 অপক্স ক্সতার তদ্ক্স প্র ৷ ঘটা পুতি লক্ষ ভঙ্কা পণ নিৰূপণ ৷৷ এই ৰূপ লয় পণ করিয়া গৌরব। যোজন পয্যন্ততার অক্সের সৌরভ। শুনি স্বর্ণ মালা কহেছয়ে হরষিত। দারেতে আচুয়ে কেনঘটা বি পরীত!। ষণ্টায় লইবে টাকা এই তার পণ।এ ঘণ্টায় কিবাহয় কহ বিব্রণ, য়ে অনুমানে মনেবুকি আছে আ দ্য অন্ত । তত্রাপি তাহার স্থানে সুধায় তদন্ত।। দ্বারি ক

म्र महाभग्न स्टाम ना इटव । बिटम विद्या त्म उपछ कहि শুন তবে !৷ যতধটা বঞ্চিবারে বাঞ্জিবে যামিনী ৷ ঘটা व श्निष्ठ यत्न कान्तित्वक श्नी ॥ अक्वात श्री देकल ल ঞ তক্ষা ব্য়ে । কেমন বপনী ইতে বুৰুছ ভাহায় ॥ গুনিহুট চিত্ত সাধু ঘট। পাণেছায়। বাজাইল বছবার नार्क् निर्मा । अनियनि योजनम् इस घणे। इ स्नि। अ রি চারিকারে ভাকি পাঠায় অমনি॥ মন চোরা সর হ द्या बादम पुष्टे पानी । मपाधद मिन धादन উত্তিক আদি ব্যেষ্ঠাকার বাপ দেরি হইয়া নোহিত। পরিচয় দিতে বা ্যু মইল র্তিভা। মনেভাবে এ ঘোহাঁর নধ্যে এক ভ त । भाषे**टन श**द्यम्थ मकन कीदम । घटनाटहाता पासीच न म्टिं करत्रधूति। वनवृष्ति मर्कर्ता निन मर्कर्ति॥ ि उक्त विज्ञु। सर्ग हितं विज। कटर विक काली शप व কোন বিচিত্র।। দাসী আসি উদাস করিল বাঁদেন। নে यन वात्रभुमुदके कि एटद उथम।।

পয়ার। দাসি হানী সদাগরে করি
নমাদর। নমতেতে লয়ে যায় অন্দর ভিতর। উভয়ে
উভয় পদ করি পুক্ষালণ। বসি বারে দিল আনি রত্ সিশ্হাসন। পূর্ফে যে মিফাল্লসর আয়োজন ছিল। দ্ দাগরে সমাদরে ভক্ষিবারে দিল। ফ্লণেক বিলম্ব পরে পদিনী ৰূপদী। বণিকের সম্বৃথেতে উভরিল আদি। ধরি অপৰূপ ৰূপ সেই ৰূপ বতী। জ্ঞানহয় কামেছাড়ি আসিয়াছে রতি। তাহার ৰূপের তুল্য অতুল্য হুগতে

অংকর সৌরভ যায় যোজনেক পথে।। তড়িতের চুটা বিনি অংশের বরণ। অনক হেরিলে অক করয়ে দাহন।। সুবর্ণ সুবর্ণ নহে সে বর্ণের কাছে। লাজে লুকাইতে য। য় অনলের মাঝে ৷৷ বারসার তেজে তনু হেরিয়া সূরপ্ত বিলির পরশে চায় হইতেসুবস্ত ।বিদনে শরদ চাদ তুল नै। छोर्। ब्राइटिन व्यन करत हामरत हिकात।। जिन ফুল গড়ে ধর। হেরি তার নাশা। চ্রি করে চাভরিতে कोकित्वत क्राय।॥ एइति व्याथि अतंत्रिभी विशित्न भ লায়। দন্ত হেরি মুক্তা লাভে সাগরে লুকায়। **শু**তি হে বি ণ্ধিনী যবির ইয়েরয় কণ্ঠেতে **স**িত্তক**ধুঅমু পুরে** শয়। দুমেরুর শৃঙ্ক পড়ে ছেরিকুঁচ পিরি। তাহাতে निष्पिउ लक्ष। ताकन नगती ॥ किंदि किंदि किंदि किंदि कती व्यति। करो न्काहेन शोति श्रमाशुरा कति।। नालि भव द्दति भव नक्ता गानि वत्। अषु पाद्य अत् त्रारथ সেই অভি মানে।। নেহারিয়া অপরূপ নিতম গঠন। ধর নী কা**পি**য়া উঠে য**থন তথন।** রামরস্কা তরু **উব্ধ শু**রু অতিশয়। চরণ তুলনা রক্ত কর্মলেতে হয়।।

भग्नात । (रितिश जारात क्रम माधूत नन्तन । नि-रामन रहेट्ड भट्ड रहेद्य चट्डिन ॥ मृद् छ दिवस भाग प्रिया प्रिया प्रतिश अप्रिनो भिया ध्रुद्ध माधू मृद्ध ॥ मृगिक गानाभ चट्ट क्रद्ध मिक्षन । य भुकाद्य मनोगद्ध रहेद्य एउन ॥ किक्ष्ट दिन्ह भद्ध मिस्ड भाहेश । भिष्ठिनीत भुष्ठि माधू कट्ट मट्टा

थिया।। यदन अन मुबमनि यामात काहिनी। यद्धि नाहि দেখি কভ্ এমন কামিনী ৷৷ যে ৰূপ ৰূপনী ভূমি কুখুনে नायाय । भद्याम हाटमत उना इस किना इस ॥ এই कश नमागन्नकरह् (याहिनीत्त्र । (यहिकाल वाहाक्या शुन्य ५ (यन जाति।। এই बार्ग ठाका करम चर्षक गामिनो । जन खदः माथुकदः धतिया कारिनी ॥ व्यक्ति हो जि नो जि আচুয়ে যেমন। দেইবাপ অঞ্ভবে ভট্টকরে খন। দহ চরি গণে নারী করিয়া বিদায়। সমাদরে সদাগরে পাল ক্রেনায় 🔃 থটাক্র উপরি অক্রারাফণা সনে ।কিনুথে त्रिन निमा (छात्य (मधे भरन)। अनेक्रम (को हरक शख বিভাবরী। জিমির তেজিল তনু ছেরি তিমিরারি॥ ভা ষ্ণার তন্ধর তুল্য দেখে সাগু সুত। চিত্র মধ্যে চিন্তিত হট্ল যথোচিত। গাতোত্থান করি পরে অংসিয়া দাহি हा। करम शाकः किया भव नगर्भ करत ।। भरत करत् श्विमाद उनर कारिगो। मणद हरेट यान उड्य ना চনী।। নৃত্যগীত মহেগৎসবে লক্ষতক্ষা ব্যাহ্ন।কভিবেক খদবধি থাকিব আলয় ॥ শুনিয়া সন্মতা তাতে হইয়া যুবতী। নিত্য নিত্য নৃত্য গীতে বঞ্চে রসবতী।। এই র প কিছুদিন সদানন্দেয়ায়।উভয়ে উভয়পুরে নোহি ত উভয়। দিবা বিভা বরি তাহে গীত বাদ্য রত। বাই থেম্টা কতো বাজি করে নানা মত। দদাগর উনমত্য পিরিতে তাহার। দিনে দিনে মনে মানে স্ত্রী আপনার দেখিয়া তাহার ভাব দিজ কাঙ্গি পদ। কহে সাব ধান

माश्रुर्घा देख विशेष ॥ 🗀 👉 ত্যবাড়ে নবরস। নিত্য অর্থ ক্ষয়, নাহি ভাবে ভয়, প্রের হইয়ারশা একপ সুথেতে, কিছুদিন গতে, ধ (बेर्द निकान शाग्ना अवटनारय थेनि, इहेग्रा निकान, तनि কেরে বিয়াকর ৷ ওন মহাশয়, অর্থ হৈল ক্র, ধনাগা है रेवल थालि। পूटरंत मिक्छ, या हिला किक्छि, विक ত এবে দক্লি। নিভ্যাধিক ব্যয়, **মাদ গত হয়। হি**দা যে অতিত কর। শুন পুণেধন দিলে কিছুপন, সন্তব জ गाञ्च (गाञ्च। अनि माधु थुः । रहा शक्रिकि, यारेग्न। अ ও আগারে i হাসিতে প্রাশি, রতের রাশি, আসি फ्लि कामिनित्त ॥ एति वहरून, **উद्योधित मन, एउ**न গুহ্ণ করে। রম্পা বিষয়। হৈল অতিশয়, নিক্ষ করি তে নারে :৷ বুদ্ধি অতিশয়, গণিকার হয়, ঘোগিরে ভু লাতে পারে। পুাস্তহয়ে রত্র, বণিকেরে যত, ছতিশয় বৃদ্ধিকরে ৷ সদত সতকে, তকে তকে থেকে নিশ্চয় ক রিতে নারে। নম্টবৃদ্ধি মতি, চিন্তাকরি অতি, গৃদয়েতে স্থিরকরে µবস্তুরগুণেতে, উদর হইতে, উণারয়ে বছরত। নহে মহৌষধি, মন্ত্ৰ তন্ত্ৰ আদি, মন এই যুক্তি ভিন্ন !৷ এই**ৰণে** কত, দিবাছলে গত, সদাগরে গিয়া কয়। শু निवाहालयः वर्ष टेश्व क्या श्रृक्षयञ ममुनय ॥ अनिया ञ थन, माधुत नम्मन, भुताहेल मि वामना। कति भीघुर्गाङ कतितान गठि, मझनिम वाताइना ॥ मत्याउ पर्याटि,

मायुत्र मञ्जलि, किर्यत्म जामित्य भटन । माद्य कथ गुक. गंडोटनक शुक्त वद्यान जाकि तमत्म ॥ कहारक मुद्दाम्।, शास्त्रात्व शृहानाः, अमृनाः निश्चित्र शासितः शासितः भवातक, नश्रत्म शुक्राकः (मर्थ का भनिका बलनी।। छ। पिथि उथन, कोरन मतन मन, किन्न बार्ट्ड केपरत । नत्व मति मशि, विन एक रेटि, यान शाजि हिनिद्धि । এত বলি বেলে, भिद्रा छात्र चाटम, रतम भूष हैरस मा है। इन कारन ६न, नरेग तथा, धार्कात पिन मा श्री । उद्भारत पूजन, ८९ - नामाश्रन, कति एवस्य अ ति। एकेल वाचिनी बहुँ शाकामिनी, ग्रहा म्रूएंट हैं व इस्य ११ व्यक्तंश्राण निर्मित् एकदिशा प्रदानी, नेस्न देवल राहास्य। किंबर्ट्स स्थन, क्रिक इन्न, जात्रास्त् लगजना ॥ त्नरम महुताय, मजनाइ लाहा, वर्ल लाह लाया गरा। थाउसाहेबा कांकि लिय प्रिश केंग्रक, र भन कहारम जारा ॥ यपि এ करणरङ, ना भागि वाहेरह, লব বিদরি উদর ৷ একাপ কুমতি, করিলেক মতি, নি ি অভিতে সত্র।।

পয়ার । এজপে পলিনী যুক্তি করি নিজয়লে।
বমনের দুব্য দিল মাদকের সনে ।। সাধুসুত পিপাদি
ত বুঝি দুয়্টমতি । সুরা আনি তার করে দিল শীঘু গ
তি ।। সুরাপান করিপান বহু বিধ কেশ । বমনেতে
বাহ্য জ্ঞান হারাইল শেব।। শোণিত্ উদ্গারে হ্য সন্

भश्रकीवन । वङ् पुरुष भूक भित्र कतिवा वसन ॥ अव मुझं करनवत्र इंतरनेय जाता । नुष्ठे हिंदा शास्त्र किंजि न বে বড়ে ধারা ॥ কুলটার কুমত্রণা কে বুজিতে পারে । बाद्यादक बादावी रस कुना निमाहदत ॥ माध्युक नृष्टी श्र अहे यनुमादा । श्रीनिका धारेश छथा द्रमन विहा ति ॥ व्यन्ध्रहेक्षाधीन शाहेल उथन । गान्स शिखा कार्त्यः भक मुदर्ख नव्यः ॥ निधिक्कारन स्मिन् दश्च कविद्याः ख्ळव । शहमूच क्ति मुधी देवन उद्यन । समाधत आरङ् দিয়া লগের চন্দ্র। বছ খতনেতে ভার ক্রিল ডে ত ৰ **৷৷ পুৰানু ভোজন দি**য়া কৰি পৰিতোগ ৷ গাঁত সংস্ক **उक् उटम कथाय मर्लाय ॥ उद्भाद भूमा ह**ाल गुरुव য় পগণে। ভাৰু তৰু গুকাখিলা আনিয়া বিভানে । দি वात श्वाम् । पथि देशिक् नमन । मान भूसा वातामा দি করিল তথন ৷৷ ভোজনাত্তে আইজ কবিল নৃত্যগী ও। নাদারাপ রঞেকেরে নগুর দক্ষীত।। গায়ক আদয়ে বল তাহার ভবনে। নগুর নুষর ভরি গায় লনেজনে।। अहे**कश** अमान**ाम (भा**रिक शकरल । मिनाइछइक पिन ना থ থকা চলে চলে।। হইল তিমির ময় তিমিরারি গ তে। পরিচাঞ্জিকার। বাতি জালে চারি ভিতে॥ পুল त्क बारमाक ङानि कतिन मन्त्रुर्थ । छेम्स एहेन राम वानि मात्र भूर्छ ॥ निज:नशी रहति मदन कति कन्ना न्। চর্বণ করিয়া পান মনে সুথ পান্।। তান্পুরা পূরা পুরা মারিতেছে ভান**া মধ্র তানেতে গা**য় সুমধ্র গা

न् ॥ शाट्यांबाङ मख्यश भवुत (मठाते। उर्गा (छाने क वीण वाङाश एमछाता ॥ द्यांना मन्ति है। दारंड नुषे धूत वीण ॥ नाहि (कान अन क्रेंग्रे थीड वान) विण ॥ भ ते वार्थ उपाय कि वेनार्थ भवे। छान्दक शहित छान् छन्। स्ट्रिंग स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग स्ट्रिंग छान्। स्ट्रिंग स्ट्

गोज वंशा। ट्रन्ट्यं भानव गर्म्याकं र जेशी शाम । यहिएं भावित यहर निल्डानल निद्यलन। लेख भाव कृत जाव, ब जादन जावह जन, भादिक्य को र में। जद, हशन। कि महल । जेहि दकु मुख महि। खट्ट जन १७ माता, तथ छाहे पातात छाता, हट्टम जान के तथा भानद महिलां मव, हित्राक हहेद्द महे, उपम कि हरत जाव, दक्क्या किहट शमन।

श्वात ॥ अञ्चल मृङ्गि कि कि विद्या विश्व ।

श्वात या वा वा वा भाग था वा महिल ।। लिल्ल व व नि श्वा विश्व विश्व व व नि श्वा व व नि श्वा व नि श्व व नि श्वा व नि श्व व नि श्वा व नि श्व व नि श्वा व नि श्वा व नि श्वा व नि श्वा व नि श्व व व नि श्व व

शू करत। इंडामन एंड रस् करनत शताना मूथ ताति एति (माट् मूथाई रिक कारमना अशदा मसदा मूथ का सदाउ नाट्य । मृत्रदा रामा करत नक्काकत काट्य ॥ मृथ मार्थ मण्यम रिक उनस । रिक उनस त्यन व शिक उनस ॥ कर दिस कानिश्म स्था मार्थ नुष्ठ । छावित्यम श्रिदाहाकि मास्डि ममुण्डिशमायाना मृश्ये एक अञ्च कृति हिछ। स्क माना मृश्ये द्रिस रुद्धाहा विक्रिता

(हुप जिन्दी।। अजन पूरान, करणान कथन, नन्द्र भाव खन नर्दती। मुध क्टि (भाष, निमा क्य (भाष, निम ध्य फेम्टर जिभिवाति॥ ट्यांक निम्नामन के रिज्ञा जयन পুতিঃ ক্রিয়া ক্রে দব দারে। শিবের অন্তনা, পৌরি धादाधमाः कर्त्वामया नामा छेलहारतः ॥ शृष्टा मात्र श्रातः ব**দিয়া** আহারে, থাইলেক **নানা বিধ খাদ্য**া বিকালে मकल, यहा कालाह्त, बाहर कतिन भीउ वान्।।। রতনী যোগেতে, পলিনী সহিতে, সুথেতে বঞ্চে সুথ যামিনী। এই রূপে কত্ত দিব। হলে গত, সাধু সুতে বি इंड ट्यांचिनी ॥ पिटन पिटन धनी, शुन्निदश मिन, नगरइ তে হয় মহাধনী। সবে জানা জানি, করে কাণা কাণি, नगदा डि ठेल गराधुनि ॥ माति निस् कार्य ५ विषक्दत ক্যজ্য, করিবারে মনেভাবে রামা। সলটা স্বভাবে, সে ভাবে অভাবে, পেুমে একবারে দিল ক্ষম।। করিয়া ছ লন্য, কহিছে ললন্য, ধন দিয়া মোরে তোষ নাথ। শুনি

मन क्षेक्र मुद्दा जीत बाहा नरह भग ।। তारह मदीगत हम **कान नान खरी। याभना मकत्व ठाटर धनि मध्या छ** ণি।। যার ধনে আপনার হৈল এত ধন। কেমনে বজন তুমি করিবে সেধনা।তাই বলি এ তোমার নহেতে: উচিত্য একপ কহিতে তাত্তে বিদন্তমে চিত্ত গ্ৰাণ্ডনিয়া ब्गारिनो कार्ष करह पामी शुक्ति। এकि खात्र दीकि पा भी আমাতে অপুতি॥ আমার মনেতে তাতে স্মেচ্ছ বিশুণ। আশুণ ভোলার মৃত্থ তাথানিস্ভণ ৷৷ চিনকা **ল সকলেতে থাও মম প**ন্। নাহি **লাল** সুখ্যাতি করহ मम भत्र ॥ अनि मुक्ति जन वाली मध्दा दाज्य। भीर्भ তি করে গতি যথা সদাগর।। বদন ঢাকির। ভারা, সদাগ্ **রে কয়। ঠাজরাণীর অনুমতি ত**্যক্তিতে আলয় ।। এজ্য ন ত্যজিয়া এবে ক্রছ পূজান। যে ছলেতে বাঞ্চতথ করণে পয়ান।। নিধুর উত্তরে দাধু নাকরি উত্তর। অ नि देनम्। शुर्ती फ्रांफि फेनिन केखरो। शूर्काविध शङ्गार য় সঙ্গেতে আছ্য়।। শুকের শোণিত গণে তীক্ষ্ অভিশ अ।। कान्मिक कान्मिक यास (भटत वह पुःशः पादान न मग पृःशानत्न (शाएए गुक्।। कजु जारव कीवतन ू বিব বাকি শিলা॥ নতবা ত্যজিব পুল গলে হানি সি न।। এজপ ভাবিষা গ্রাম মধ্য দিয়া বায়। পাপল ব লিয়া লোক ধূলা দেয় গায়॥ সদাগর বলে নোরে বিবা তা यिश्वन। (मेरे जन) (५श मत्य काहे। वाद्य लून।। धरे ৰূপ বহু ৰূপ করিল ভাবনা। কি দুঃথে রহিল সবে কর

क् छाराना।। मारानत्न वन मशु ेमर्थ मर्ककान। मनान ल পোড़ে यन कानित्व (क्यान ॥ यात्र यन् (महे कात्न भटनब्र (तप्तना। अन्। कि क्षानित्व दन चटनः व योजना। কাননে পুরেশে শেষে করিয়া মজগা। তৎকালেতে শু ন এক দৈবের ঘটন। !৷ বিকট দশন এক নিশাচর গতি : ायरः भारत ज्वार कविए उटक भाजि । किसानि कि मतन ভার হট্স তথন। গতিলোধ করিশের পাইয়া কানন ।। অসাত বরণ অফ তাশুবর্জ কেশ। তাল জন্ম দ্য ভशक्त (वण ॥ (न ३ जुटन डेज़। जुन) भित्न की। जात । नियारम निभाज नारा भूलग्र थाकात ॥ म् वरक्षंत्र क्लेक्टेः ्रिम क्रोब किलंदर । दास्त्रि क्रिया ता**८थ** दल्ली **डेश** ে। খাচ্ছাদন যুক্ত তার করিল মথবা। ৰাপ্রতী কর্ এক দেখিন তথন য় তাহার কাতেতে এক কাল্য কৌটা িল : ভালার ভণেতে মর্ম দুর্যাদি পাইল।। নানাদুর্য यातः। भाग्न विद्वाना लानकः। इस्वि निष्ठात्रः (भागभूमा রিয়া অস্ব।। সিজ কৌটা কোমবেতে করিয়া বন্ধন। নি भि ७ रहेन स्मार्य स्टब चडाउन ॥ किन्न नानिया भाव আছিল **ৰূপদী।** রুদ্যমান হয়ে ধনী শিয়রেতে কলি।। যখন আমিতে ছিল সেই নর অরি। লুকাইয়া ছিল দা थु र्का भुष्न कति। अभुरत निष्ठि मार्थ माधुत नकन। দুতেগতি গিয়া তারে করিল ছেদন ॥ নর ভক্ষকৈর কয় করি মহাবলে। সেভয়ে অভয়দিয়া কামিনীকে বলে।। নাহি ভয় পরিচয় দেহলে। ত্বপদি। কিনাম কোপায়

धाम कारात मिर्छ। अनुमान रस जूनि मानदी रहे বে 1 বিৰূপ ত্যজিয়। রাম। স্বৰূপ কচিবে ॥ সন্দেহ হ धारक परिथ निशानत शादन । पृष्क देनत भादन यात्र इहे ল কেমনে। অনুপমা দেখি তব রাখিলাম পুণি। ভয় नाष्ट्रिक विवास गास शास्त्र शाला। छनिसा मुन्दरी क ए एए ए क्द करत । निः मरत मुख्त चि निम्न निक বরে ৷াজনধান মহাশ্য পরিচয় কহি ৷ খানব **জলেতে** জন্ম নিলাচরী দহি।৷ নুংক্য দেশ অধি পতি চন্দ্ৰেন রাজা। নর লোকৈ নৃগতিকে করে সবে পূভা।। তাছার তনয়া আমি ৰত্য পলিচয়। অকপটে কহিলান মিগ্ৰা किछ्नर।। छशो छु। जा नाहे यम नाब न शार जी। अल कन्। अन्। भवाद श्रिय फिलाम अछि॥ त्रीकम महिटङ र्म (ग कार्ण घरेन । क्रास्य भाहेरव भाक कांत्रत भग ণ।। কছে দ্বিজ কালীপদ শুন সনাগর। তোলারি চুইতে দুঃখনারির বিভার পায়ারা৷ এইযেরা**ক্সে**ভমিনাশিলে জীবনে ৷ যুক্ষেতে জিনিতে তারে নারে দেব গণে ৷৷ গি লিবারে গিয়াছিল দেব দিবাকর। সেই ভয়ে ভানুরদে णिया वकाखताः यामात शिजात शूती शुरविभिन्ना व ल। इल कति (भारत अक महिं शास्त्रे बल्ले ॥ ब्राह्म म इ यारह लिए। इईलिन करा । এई मिरे लुगु कि छन महानग्र।(नाक। यहिन्दू नाटम कन्। दनमादेव वाम। य त्रगु बागुम कात्व जीवन विनाम ॥ वमुत्र महिंशी जि নি জ্ঞাত সৰ্ব জন। তার আদ্য বস্ত্র ত্তমি করহ গহণ।।

যে জ্লে জীবন তিনি করেশ খারণ। সেই স্থানর পুথ মেতে কর্ম অপ্না ভাষাতে যাহার নাম ক্ইবেল नन । कानिर भृषियी भिग्न रन महे बन । लाहारन र किता (यत। इस महादीत । छात सित विकि इन शृक्षः পৃথিবীর ।। শিত চক্ষু দিয়া তায় করিয়া মিলন। ৫ থ বাজা এই শির ধ্বে ফোন জন ।। ভাচ্যে নন্দনে দ हरिकन रहते वीत । यहादय गान जात यक्त महोत ॥ **সে জনে** প্রিয় ভক্ষ্য যেই দুশ হয় । কেম ভার মাজ। ফারে ঘটলে ভনয় 🖰 উত্তর করিতে পিকান। পারিয়া। ए वि १ माकन महार रूप व नारक। न ५ हार ॥ वनायह প্রকর শুনহ দুকরি। পুলের উত্তর দিতে আনি দ ि शांति । धनि नटन शुभ छ उत नत नश्मा । उतिन ভোষ। রে আমি কহিন্ নিশ্চর ॥ দ্রাচার রাফ্স করি য়। দিল পণ। যে দিতে উত্ত্য মোরে পাতে সেইজন। ্ৰিক্তা বহু রাজ। ইয়েছে নিংন । অদ্যাপি ব্লিভে न। शाहिन कोन कर।। मनाभद्र गरल खन शुभू विन তार । अविन्यु भारम कन। शच नाम जात ॥ अनुत्र मृ लाइ नाम छारोत महियी। तन झीव तन ताम अनर ৰূপসা।। পদের লইয়া পঃ বনের আদ্যে দিলে। প্র নের নাম তাহে অনা **ব্লাসে মিলো ৷৷ তা**হাকে ভ**কিকে** ব্যাল বলবান হয়। সকলেতে খ্যাত তার শিয়ে স্থি রয় ।। মণি অর্থ ৭ মন্ত শিব চন্দু অথ ৩ তিন। এই শি

রে দশানন না ভাবিক ভিন**া** নন্দন কানন তার নাশি ল মারুডি। ভারপিয়ু ভক্তকলা শুন রম বতি ॥ পূর্ক। अधि एमिश है हा विधित मुक्त । कमिल किश्राल छक् করয়ে ছেদন। নারি বলে পূশে তুট করিলে যেকপ। পূশে বাঁচাইলে তবু নহে এ স্বর্জণ।। অঞ্চীকার করিয়া ছি জরিব বরণ। কছ্ এ কাননে কেন তব আগমন।। অন্তরেতে বাঞ্চবড় হয় শুনি বারে। আতা পরিচয় भुकु करित्व बासारत ॥ अकांकि खत्रभु भारतः परिद्रा তোখায়। খানব না হবে ভনি হেন জ্ঞান হয়।। হ্য মিয়া কছেন ভবে ৰণিক জনয়। দেশ ভগাগি বন বাস মেই রূপে হয় ।। শুনিয়া উভয় দুঃথ দুঃথিত উভয় । व्यवस्थारम नहा प्रमा विभिन्न कहा कहा है। मेह्न है कहिस्ल जान भावि प्ताहात । (सह बन्द्रांपन उन फ्ला शृहका त ।। आष्ट्रशं चलूर्व कोष्ठे। पूटकेंद्र केंक्टिन। वन्नन कि য়া দ্বিল শগ্ননের কালে।। কীম্য কৌটা নাম তার ৬েড অসম্ভব ৷শে দুব্য চাহিবে তাই করিবে পুসব ॥ ওনি য়া কৌটার কথা সাধু হর্ষিত। কোটি কাটি করে তা হাকরিল ভরিত। সাধু বলে কৌটা ভুমি যদি সিদ্ধ বান । ত্বায় আমারে এক দেহত বিমান ॥ দুজন বসি তে পারি দৃশা ভাল হয়। বহুনের হয় যেন দৃশ্য ভা ল হয়।। শুনহ দকলে দেই কৌটার চরিত। নেত্র পা न दिए तथ रुप डेमनी छ।। तरकुर थे हिल जोशा प शिए विकित। दिन हिट किन केरन करन एक मुण्या।

স্বৰ্জ। সন দুইথানা দাণিকে থচিত। চিত হয়। চিত্ৰ ক वा पृटके हदत हिछ ॥ नश हूणा श्रक शाजा मन युक शा था। भुवान ऋवत जात याभित्कत हाका ॥ नाम्यद्वार् माकारेन मिरं उ युवजी। तिमारन छेमा (सम्ब्रह्मि व তি পতি ৷৷ বিমানে বিমানে কৰি অনেক ভূমণ ৷ অব भिष्य बद्भा (पर्ण मिला प्रम्म ॥ अभूवं व्यावह स्वाह অম্বরের পুরী। বহু অউালিকা ইহিয়াটে মারি মারি মা म्य एक्तं पत कल मृत स्थंत पात । अस्य अस्य अस्य स् ल एका का मध्य काहा। असन अशुर्व भूती सद स्मा कार । नगरवर मार्या नावि समग्र मकार । यक्ता र थि कवि नगद्ध सुमन । (ज्यादक। मास मुधान को कदिये द्या দল । তত্মত বুঝাটরা **সাধ্র নক্ষ**া। পূবেশ করি ल जाद धनक जूनन ॥ किन्छ नीरम जण नीरन क्षरत দোহার। ডিজ কালি পদ কংগ্রহিয়া প্যার ।।

## ॥ विश्वमी हुन ॥

পুরে শিয়া যুপ্ত পুনী, সনাগরের ভয় ভারি, স্থানে
ভানে কেরি নর শির। রাফ্রনে করেছে ক্ষয়, পৃত্ ময় অহিময়, দৃষ্টে হয় কম্পিত শরীর। তথন র না কয়, কেন মিছে কর ভয়, অনুমতি কর কৌটাবরে। যক্ষর ক কি কিয়রে, অসুন অমর নয়ে, তি নামারে আয় ভ য় কারে। কাছে আছে কোটা নিক্ষা তার বলে বাঘ্য দিক্ষা, অসাধ্য কি আছে এ সংসারে। পাইয়া অন্তথ্য সুথ, হয়ে আছে অবে। মুখা, প্রদুংথ সায়য়া অন্তরা।

ভাল শান্তি দিব তার, ভাব নাকি আছে ভার, অছি সার করিক তাহার। এতেক কহিয়াখনি, খুলিয়া তার हैं। किनि, करह छन काहिनि आमात्र मा गरने वाहि अ ভিলামী, শ্রিদেহ দাস দাসী, করিবারে পুরী পরি যুৱে। যে দেখি এ সন্তব্যরাশি রাশি সাভে শব, দে थि भव मात्र भवाकात। छनि वाका अभकन, कोत। भुका भिन वेले, खाभ दल रिएड ठात छन्। भृषि छृ ত্য বহু এন, করিলেক মমপ্র, আদেশ লরিল যেই ক ম। বিভাৰ। মশাহি গৰি-ছিত্তক পুৰাল ভাদি, খাবো। es तर वाक्टा यन्मादा । एक कारल किया करा. महेन भ उत्थारमः योन स्नानि नाटम राष्ट्रकाता ॥ घरेमिन কা পরে কাবে, দেঁমকে আলো চণ করে,পূবে শি**ল সু স** किन्छ बरतः। नायुरत् त्रणांगे कश् अन एरह् प्रहानांशः लाक रहा करिएक छ। बादा । वस्कम कठ (यान, वि বাহ নাহিত্তল, চিরকাল ভুঞ্জিনাম দঃখ। পিতা মাতা পর লোক, জাগিছে নে হাঁদে শোন্ট, পুলা পতি আমারে বৈমুথ।। বিশেষে করিছি পণ, সাধিবারে क्ल बन, लक्ष्मानि खाष् भानि बात । अपन मुप्ति क् য়, দীনে দিলে পদাশুয়, দুঃথ নিশি হয় তবে ভীর।। পেয়েছি এ দুধ রাতি, নিশীতে কি বার তিথি, শুভা एक मुर्पि रतन भन । পতি रतनमत्नामक, भू छ रहा म (मा वर्ष) सर्ग (छार्ग देशक ७ कानन। महागंत शामिकय, এ বাড়াকি ভাগ্যে দয়। বুক্ষা যদি যাচি দেয় বর। यः

### ॥ धका विन हम्।।

্বৰপ কহিন। সাগ্র সৃত, বিসাহ করিতে হৈল উ

ত, বলে কোটা শুন আমান লানা। পারি জাত মালা

ে হতো আনি ।। চলেন সন্ধুল সুগদ্ধ আসা বহু সূল্য

বহু আনিয়া বান ।। পার পুর করি পুরা আবাস। পূর্প
কর নোর মনের আশা। আর্লানা দুব্য ব্যভার্য মতে।

পুরায় তাহালে কহে আনিতে। এতেক কাহিনি শুনি

তাহার। আনিল সুগদ্ধি কুনুম হার। বসন ভূষণ রতন

আর। মানা বস্তু বস্তুন ভার। থাদ্য নানা বিপ ক

তি সুতার। ধ্রণীতে তল্য নাহিক ভার। বিচিত্র বিচা

না সুচিত্র অভি। কিরণে অরুণ রতণ জ্যোতি। স্পুল্

ণি দিয়া সর্কতে থচিত। দেবতা দুলাভ সুলভ এত।। विच भाषि वाज पितान गिति। मालाहेन गृहह पु धारि করি!৷ বহুত পুহরি ছারে আছ্য় ৷ মাতকে ভরকে আ उक् र्य !! वह माम मामी शुकाणि वल । विविक उनस निकरि वटन।। मधन मदन भूदन इन। यात्रभूरश अन কি আছে বল।। গুনি সাধু বলে করিয়া হাস্য। নগরে তে कत नत शुकाभार ॥ अनियास कार्या नाधरन यात्र। মহাধুম হেখা পড়ে বিয়ায় ॥ পাত্রি জাত মালা করি शा करत । भताष्मत भारत शुमान करत ॥ भूग गख भन भ भिंशा ठाटक । विवाह निर्काङ शक्त भटल ॥ वह कुन (भूभ जालाश शरत । भूशोषा पुराति एकाकम करते।। यथन पूजन थाहेल लान। उथन मशीता आतरह भागत याश रेटन एक शायक शाप। याशानन मय साहित्ह जान।। ছुजिन हाशिणी यफ हारगट । शाहेरफू भाग्रदक রাগা রাগিতে।। ধমকে থমকে নাচিছে নাচনি। अ नुयन कुन्नुत्रण्नि। (माथशामध्र (मकाय) त्रमायता छ करता वितर विवर्गा कराक दिनाचा मुश वजी। বিশান জন্য দিল অনু মতি ॥ অন্য লরে তার। করি লে গতি। গতি মধ্যে রকে মাতে যুবতি॥ শৃকার॥

वितर जनका परिया वाना । काछ भार्य ना भारत मव जाना ॥ ज्वन साहन गगन भारा । कामि नो जः भारत हान्मु प्रया। जाता जाता भारा कि म्याजाक रत । हिस्रत स्थाप हारक मुक्षा करत ॥ उड़ि उ छेएस

করিছে হাসি: নিখাদে পুকাশ পর্য আলি কেছ ণ স্থানি করিছে ধনি। বিমানে যেফন ঘটার ধ্নিঃ वह है 🤠 रहेन त्रस्था क्ला ॥ कत्र मिल आदु मुरर्थत रह छ। शीन। क्छि छन मण्टन धन। पूर्व छित लिछि भुरू द्ध। घन । नदीन छत्रशी युवक (नद्य: चिंड (वदश याह्र जर्तनी (वरह । मुक्षार्श्वन मारक्ष नवीन एती । जन्न क त्रक छेटो मिग्हि। रात छेल याँत मरः ना तेषु । य কুলেকতই থাকিবে মধু ৷ আজি রভি রম্বেতে জে या पर्। नाभाहि नहिए क्विए पर। माधु दत्त রম হে রম বতি। রতিরহ রম স্থের অতি। লাভি भातित्व कत्वल्यातः । अस्य वसं धनि कत्याधातः । দুঃথ বিনা সূথ কাশার আছে: কচ্ছনৈ ধনি জিলো है भारक। प्रिथे घड़ प्रत खगुत शर्भ। दलि अहि ध मुशा कावता। वाविषि मधिया भारेस पुरुष । (णः দেখায় সুধা করি কৌভক। তাই বলি ভোমায় সু वधित । अञ्चल्टिकन कति ए शिनि । नादी वटन किन जुना ७ जिस् । मि मक्न जान कानिर स्थाभि । दल पिथि नाथ भारत कि रूल। भून माइ रून छेटते रुना रल। जारे विन छन ए भूगि। विक । भूथाय अमर् गङ्गाधिक । माधु तत्व थिन कृत्यक थाक । मुशाह উত্পত্তি কৌতক দেখা। এই ৰূপ বহু বুঝায়ে তায় ! পুন হাল ধরি বসিল নায়। ঘন আজিকন করিছে मान। কভু মুখা মৃত করেণ পান। রতি আসে তার

स्कार्य। माथिया (वं (दर्वनिया १)) श्यात्र ॥ नद्य । मिल्र काया कदा कुछ नीना तम तद्य ॥ नद পূেম বুড়া অতি পেুম আলাপন ৷ করিতে করিতে পে त्त छेन्य छलन ॥ वटन नाथ मिन मार्थ इटवटछ छेन्छ। निन। नाथ अछ नीयु इहेनिक कम १। मायु तदा द র। নন। একি অনুচিত । ভপন দিলেক ভাপ চিতে ঘ (थाविष्ठ ॥ (वाध इश इश माहे नश किन इटर । थाने য়। তোমাকে শানু ত্যজিতে কি হবে ॥ ভুক্তিয়ে নি य ि भारे मिना विजा मुक्षा अव (भारा अव भारे পাইলাম সুথ ৷৷ এই ৰূপ ভাষ্করে রে ভির্কার করে: গাজোত্থান করে পরে আইল বাহিরে॥ প্রভূরের যে ইনিথি আচে নিতি নিতি সেই অনুসারে দব সারে ন শু পতি।। নগরেতে কলরব মনুষ্যের শুনে। উল্লা **छ र्हेटनन याश्रनात गटन ।! (र्हन काटन काम्य) (कोहै!** কর যেতে কয়। এজনের নিবেদন শুন মহাশয় ॥ জ নু মতি করিলেন পূজা সূজি বারে। সাধ্য হতে বস लम रामिन्या नगरत ॥ एतिकानि भमाति हाछ वाकार

ব্যাপারী। বছবিধ ৰূপৰতী কুলবতী নানী। চারি ব र्ग टेमना कति यगपा शृष्ठक । कडि खननास यात्र क রাদি রজপ্ত।। অংগন্ধ প্রাতিক আর পশু নান।। न ছবৎ বারিক গড় কে করে গণনা ც চিড়িলা থালায় নী না জন্ত প্ৰিতে উৎসব। জন্মায় নরের মনে যে দেখে (म अत्।। मन्त्र जन्मात हिन कुनु ग कानम। बीरम छ। লিতে ছিল বিহীনে জীবন। উদ্যান শালকে তাত্তে ক রি নিয়ে।ভিত। ক্রমে মে সকল ফুল হবে পুস্ফ টিত ? वाध करत बाम्य करत बाम्य कत याता। करिशाधि मुक ন মুক্ন মনোহর।।।এমনি **মধুরতা**র। বাজায় শুভাবে ৮ সে রবে কে রবে বল বিরস স্বভাবে II টকার। টিকার। दारक मु मथुत्र काल्। भागो दिगा जान। वारक भूभक्ष गामान्।। ताय काषा खय गाक् वास्त्र क्षेत्र सम्म । नाश ৱা দৰ্গোড় ডঙ্কা শব্দে ধরা কপা। চ্যাম্চা ব্যাম্চা বা ৰে লক্ষ লক্ষ কাশী। কাৎস্য করতাল ৰাজে সুমগুর वानी।। जूती (जती धूब्दी दासाय मश्रम्ता। यञ्जनी फ म्क वार्क मधुत (नजाता।। भारत्य धार्मिन यीन् वास्टि তেছে বীণা। ঢোলোক তবলা শিক্ষা বাদ্য বাজে,না না।। মন্দিরা তান্পুরা বাজে বেহালা সারিন্দে। পা থোয়াজ মেৰ রবে তাজায় আনন্দে 🛭 বৈঠক থানায় হ य देवें को भारती। अन्य अन्य पिरक वार्क अभव वास न।। अनुम् अ अनुमादत मातिया हि का क्। स्वात् किक

तित छार। कर युवताम ॥ भंगाशत वटन सव एवट म मुखं। ज्यानि ना रश मुखं ताल। नगा किन ॥ नाव निक्र महामध्य मृतिया मकरने। नगा के कहर स्मादि ध त्रिक्ष महामध्य मृतिया मकरने। नगा कि का निश्चा छुरेन्। का उपक् कित मिन दाल निष्य का मानिया छुरेन्। का उपक्षान मुननी। भाषात का मानित माद्याश दक भी। नियामा भारक छाएँ मुमुछं मुखाश । याश वटन भूका निज का त्र व व्यास ॥ मध्मा एए श्वास भाषा प्रतिया मध्मा प्रमायस्य मिटन मिटन क्रिड्म (क्रिंग)। मध्मा एम्म साना स्वेत श्वास। स्वरू क्रिड्म (क्रिंग)। मध्मा एम्म साना स्वरू श्वास । स्वरू क्रिड्म (क्रिंग)।

 ादनामम् इत्राह्माद्रमाटा 96 ৰোয়তরা৷সবৈনে তে সৈতিখিনে পুৰেশি রাজনা বিশি न रगिनिया करत्र गेष्ठ यहन्त्रन। धोमान विमातन भति कदा भारामन। व्यापकार्शन कुरस्टरत कि एक निधन्।। वछ वृक वजार वानवे आवर्ति। सवटन भवात शान नर তেছে, হরি ৷৷ বছবল দৃপদাে দশলক হয় ৷ পশুপতি ভু **ল্য পশুপতি করে ক্ষয়।। বিস্তী**ণ বি**পিন প্রায় পঞ্চাশ** रयोजन। सहाधुनि कति गर्व कर्त श्रवायन ॥ मीय पीर्य কপি হয় পর্মত আকার। দৃষ্টি মাত্রে সকলেরে করন্ত্রে স্কার। বোপ কাপ কৃপ্ আর শাথা প্রতেত্ত। नत्व यात्र (म नवात्र मसूर्य इहेत्छ ॥ এ बार्य 🤃 सुर्थी **রায় করিছে শীকার। ত**ৎকালেতে শুন এক কাব্যু দিয় **्कात्र ॥ देवर यार्ग करत जार्ग र्हेट्डे हार्ग अय्रेश** फुब्रही अक प्रिथितन, ताय ॥ डेटेक भूटा जुना रही हा ्रवेश स्मोन्सर्थ। तक्षठ वर्त्तग सक्ष्णमत्न माथुर्य। १ वर्षा : का भि हास जुल वतन बोस वतन भिष्ठु उ दुवसी - (त धत्र मक्टन ॥ यपि कात्र काष्ट्र पिया जुत्रकी शनाय। অসির পরশে তারে নিব যমালয়।। নৃপতির অনুমতি

ভাতি ভয়ধর। পাণ ভয়ে সকলের কাপিছে অন্তর।।
মহাবলবান তার। অতুল্যাধবল্। সকলে নেলিয়াধ
রে অধী মহাবন্ ।। রাজন যথন তায় হইল সপ্রার।
মহাবেগ ভরে ঘুড়ী উড়ে শূন্যোপর ।। ধরেশ্বর অধি
হৈতে হইয়া অধর।। অবিরত (শুতে বহে নয়নের ধারা

্জাবে রায় প্রাণ যায় পড়িয়া বিপাকে । বলে হায় এ

किषाय अधिनीय भारक । येनिनाम भूटिशनित एति मत्निहिता। मत्निहत्र। इस इत्स इस शूण इता ११ हास इत য় কি ইইল অরণ্যেতে আদি ৷ হারাইলাম পুরার शुः अत (श्यमी।। अधिनी एहेन मन गहरवत मन। १३ রপ ভাবে ভূপ-না দেখিয়া কুল ।। মতি অলু দিকা জা ছে এমন মনর। বিভাগে গিরি পর্বতেতে উভরিল হয়। সকলে বিধানত শৈন মহা ভয়ন্তর। যাহার শৃংশতে চাকে দেব দিহকের। অগত্তের আদা আলো অদ্যাপি দে গাছে। সবস্থিতি কৈল অর্থা নিয়া ভার দামে। नासा घटना नरे जूतकीत उपदा । भीता शोहर धता कारा हारथ धताभारती। किञ्चित्र विनास जात हरेला চেত্ৰ। অফি উঝিলিয়া দেখে মহা সোৱবন। স্বশ্য নাহিক কেহ কাচেছ অধি মাত্র। স্থিতভাবে ভাবে যেন পুত্রলিকা চিত্র। তৎ কালেতে শুন এক অপূর্ক ঘটন। দিন মণি অন্ত যায় নিশা আগখন।। নিশাকর অরণ্যে তে পুকাশিলে ভ্যোতি। পূৰ্মৰূপ ত্যক্তি অখী হয় ৰূপ वजी।। किंवा अन्वर्छ वट्छ एन कान इन । यो एडिंग क्षिज बर्ल्ड घृणा करत्रभम।। विनाधिक विद কুর বিভায়। ব্যথিত হইয়া ব্যাল বিলে নিবসয়। 🍇 ছি ছি চামর চয় সে চিন্চুর তুলা। যারা করে অধিক শ র্যানক সে গুলা।। কপাল ভূপালে শোভে সিন্দুরের বিন্দু।জ্ঞান হয় অননেতে সরোভীর বসু।৷ সুধাৎ 😍 त अल्लू मत्न कतिशा विश्वाम। अस्तत कुम्मी लिया कति

मोहक् वाम। (इति निक चैंबुत बंबार्श चनापत्। भानि नी शहिनी शाण मिलिंग, जिठत। जुक अधि कान रय মধ্বেরের ধনু ৷ সকলে শাসিতে রাখি গিয়াচে অতন্ श्कुम शक्षम पुरे ब्रह्माया चारि। क्षा मृत वै: मंत्र श्रीव शार्थि। जिसे फून नर्स जिने देने नोटल मा भी। जरने हर्ने श्रुक्त क्राची दिस्य । नामा।। शक्तांश पर्श শ্বাদে বৃষ্ট গণ্ড চেল্টল্করে করে করে যোগির যোগ भाखा हो हो सम्भार जूना अमा एक शिक । या ति निव्हिश्य रहेश निद्धि। मास्यमाः काल अथा ला। ভিছে তাহ্রে। ভাহ্রে নজেতে দিব উপনা কাংার॥ हिबुटेक के नारभ साम निक्न शतारहर छ। निमान भौन তে যেন কলম্ব ঘটেছে।। গলদেশ কভুনয় বৰ্স্তণ বিষয় কটে নীল কইকুও হয় অভিশয়।। পরিসর উরে কৃচ কে: व्रक উভয়। याश (हित (यह हुँ ए। विन ভग्नश्र ॥ उप পরে গুভাবে বলকে মুক্তাহার । হিমালয় শৃঞ্চ কিম্বী সুর্যুনা পার।: উনরে তিব্লী বলিবারে কেবা পারে। মন্ববের উচিতে সোপান বলি যারে ॥ গভীর নাভির जुना मद्यावद्य इय ! अत्ननाहि भात्न वत्न इय किना इ 🐃। তাহতে এমন ভাবে উঠে লোমাবলী। কুচকোক धनिगादत एक न्यानां वनी 🔃 विश्वन छारिकी वाह वन म मुन्दर। पराग्य कहि कहिन्छ छ छोटा छत्र ॥ हम्भक क লিক। গুলি অসু নি শোভার। করমূলে বলয় নে সুন্দর বদর। নিতৰ সূভার ভারি দেখি তার ঠাম। বিশ্বর্দ্ধী র্থচক থুইয়াছে কি নাম। দান হায় ভদুপরে শাত্ত চলুহার। কি বাহার কি বাহ মার্ডারের ভাষার। কেশ রী কিশোর কোটি কননীয় অভি ৷ কর্লার জন্ম দলি উরু রসবভা। রভকোক নদমদ থিপ্র শ্রহা। নিমাল নথেতে অভিশয় পুকালার এ সুরাসিক কারীপদ ভাবি কালাপদ। ভাবিতে ভাবক বলে বলে বলে গদ।

হেরিয়া ভাষার **ৰূপ ভা**বিত দ্পতি। হ**য় হ্**য়েনা ती रुस एमें ९०० चिता विद्या अति निषाए ही किया वि भड़ानती। वारेन कारात नाती द्विवादन नाति। दन অপক্ষ ব্ৰণ কোথাও না দেখি। এক দুটে বৃত্তে রায় ন কেলিয়া আৰি ।। ভূপের বিকপ মন্দেথিয়া কপনী অধ্রে নাধরে তার অউঅউ হাসি ॥ মহারাজা বছরঞ চিত্তাকরি মনে: অপরে জিল্লাদা করে রসনীর স্থানে: कर खनि मुद्रपनी काहाह कामिनी। यपन स्मारिनी कि वा हेर्न्युत हेन्द्रानी॥ (यक्षश क्षशनी जुमि कहरन ना या য়। যোগী ত্যকে যোগাসন দেখিলে তোনায়॥ স্বরূপ क्रिया तामा करिएव जामाय । माद्यानी मानवी किमा রাক্ষণী পায়।। সভা কছ স্লোচনা পাইয়াছি 🦻 🔭 এভয়ে।অভয় দিয়া দেহ পরিচয়।। আছিলে 🛶 🚉 এথন দেখিয়ে মোহিনী ফোরপ ড, িল িনে কছু বরানণী ৷৷ ধনী করি স্বাস্তধনি বলে দণ্ডধর ৷ ত্যক্তি 🕏 य गराणय अन व्यालात ।। या या वी पानवी निर्मुत श्र

बी शाम । इत्मुब नर्लकी यामि जिल्लाखमानाम्॥ वि খ্যাত এ ত্ৰিজগতে জানি,নৃত্যগাঁত। দুফে অমরের হয় চিত পুল কিত্য একদিন সূরপুরে পরাশর প্রি।কৌ कुक एर थिए याद्य रहा अञ्चलायी।। गृनि ग़ास्क मुद्राय র দৈথিয়া তথ্ন। পাদ্য ল্ঘ্য দিয়া দিল ব সিতে আসন মুনি বলে কহ ইন্দু তোমার কৃশল। শক্ত বলে তব কৃপা গুণেতে মঞ্চা। পরে কর গোড়ে বলে সংসু লোচন। कर मुनिजाब उर कान शुरहाखन ॥ ভाগ। यदन यपि আসিয়াছ তপোধন। কহ কি করিলে তব তৃষ্ট হয়মন্ अभि मुनि वटल अने मुनित नन्तन । जन्य कान दिवदस ত नाहि भुरशंकिन। उत्य यपि विकामा कतित मुरत्थ র । নৃত্য দেখিবারে বড় বাঞ্ছিত অন্তর।। আছে যে নর্জ की তিলোভমা मु क्रभरी। তার নৃত্য দেখিবারে আছি অভিনাধী।। শুনি বজুপানি ডাকি আনিয়া আমারে। সহাস্য বদনে বলে নৃত্য করিবারে॥ কহিলেন তিলো ভ্রমানভ্রকীর পুধানা। তব নৃত্যু দেখিবারে মুনির কাম मा। अनिया हेल्पुत वानी पिथि मूनिवदा मृग हत्य व সিয়াছে সভার ভিতরে।। গলেতে তুলসী মালা শিরে ক্ষাভার। অঙ্গেতে বিভূতি মাথ। বিকৃতি আকার। শ ব্লীর হয়েছে শুরু তপস্যায় অতি।সে অকের মহাতেজ অনলের ব্যোতি ৷৷ ভয়ের ভূষণ অঙ্গে দেখিয়া তাহার अखन मपुष खान हरेन यात्रात । भटन कति वसुधानि आमिल आभारत। इंहात निकटी न्छ। कतिवात छटत।। एनका अन्य का कि पुनिवद्ध । अञ्चद्धक का अवि कारिन चँउरत् ॥ याथ दरने नाहि किछ् चरशाहत छात् ডেকে খলে তিলোভমার বড় অহস্কার ৷ ইত শুকা কর মোরে যৌরনের ভরে।পশু যোনি হয়ে হুম লভ মন্ত্য পুরে।। শুনিয়া তাহার বাক্য উড়িল পরাণ। চরণে ধ রিয়া বলি কর পরিভাগ। করেছি কু **কর্ম ঋন্ধি কৃরি অ** रकात । जात नमुद्धिक कन कनिन क्यानात । कन्म प्र जागात वाका महिल कान अन्। क्षाक हि कत शु भा প विद्यारम ॥ जुनि मह। यः। श्रीवतः, छात्मन ममीन। আমি কি জানিব নার্রা অতি অধু জ্ঞান ॥ বহুস্তক ছতি পরে যদয় হইয়। শাপান্ত বিধান ফোরে দিলেন কছি রা।। যাও তিলোভমা কেন করিছ রোদন। অতি স্বীৰ হবে তব শাপ বিমোচন।। ভূমিবে অরণ্যে দ্রিন হর্মে जुब्र किनो । तकनी इंटेटन एटवशवम स्मारिनी।। देशक्रियु নিরাজ হৈল অন্ত ধ্যান। তদক্ষি মত্যপুরে আমার প शान ॥ पिवटम अधिनी बद्ध जुनि वदन वदन शु खुन्हे निজ্ঞ নিশা আগমনে ॥ পূর্ক বিবরণ যাহা ঘটেড়ে আমারে। সকল স্বৰূপ কথা কহিনু তোমারে॥ ভানয়। নতুষ্ট নৃপ পাই পুাণ আশ। দিজ কালীপদ করে ভারা य शुकाना।

্র ত্রিপদী । শুনিয়া আহার বাণা উল্লামিত নর মুনি, ত্যুলিলেক (৬)

श्रादात्र स्या स्टाट्य याचि मु येक्न, विधि निधि मिन देन, मीटिंग इस में ग्रंब इस ॥ अवन जाविया द्वास, त्य हिनीत शुँठि कय, अन्छन अनक स्माहिनी। स्मिया उ মার দুঃখা, ননাস্থে জুলে বুক, যে দুঃখ ভোগিছ ভুমি थनी। (क्ने भिष्ठा हिलाजात, जावित्व कि रूप्त यात, श्री भाग धर्मित्रात नहां। देहरणिक छु पिया छत् इन्टर लें नानीछहे कान करम यादव है लहुँ वशा भएट बेद वि त्निमिनी वाबादा जिन्हें भनी, उद्ये धैंन (मृद्द हुट्ट क्रू ণা নচেৎ তব বিদ্যোল, অবশ্য ক্রাজিব প্রাণ, ক্রাজ ति कत्र त्य विश्वान ।। श्वित्या त्याहिनी कञ्चन अवि कथा ने হাশ্য করিবারে অন্চার কর্মা ক্ষ্মা কর নর স্থামি, নুরেরে করিতে খামী, নারী লারি করিতে অধ্যা 🛚 এ (करको चर्च करन, शुान तका वृक्ष करन, दिकन म সূথ ধগ ভোগ। করি নৃপ অন্যোগ, মিছা কেন ভোগা ভোগ, मेंने मेर कति मर्याण ॥ चात किन कर्त्रचत्र,श পৌপরে দিয়া কর্য রোদন করিছ বার বার। এসকল সূ तियत, अनिध्वर महीयत, महा मांखि इत्त पू क्रमात ॥ त्रीय कात्म पति भोस, वर्तन भिर्द्य भाग यात्र, त्यूम मा (त नहेनु नेतर्ग। अनुगठ भगानिङ, रस्य भाग कार्न रङ, कराणि ७ करना वक्षन ॥ छनिया ह निविद्यारा, द्वारि व वार्यंत्र काइ, निक काइ विनास वृत्कत्ता पछी इस कृष् तिभू, जीम जात तार्थ वर्भू, मनत व्यमत महक्रता कंड भें जाद्ध यात्र, कं नाम कर् कात्र, मद ब्रांच्य भन्ने

গতেরে। যে ত্যমে আশ্তিতনে, নাহি শার নারায়ত थमा विद्या प्रकार भारत ॥ अङ्कार क ्राक्र ्क वर ভ্যবিধে প্ৰি, খনুগড় চেখি। আমাধর । রাজার কে, पत गर्भा, का पना के एक एनि, वेश्वल है। नास रहा খরে। বুলি নুগ ভার ৮.৫, ৬, বি রামে লেবি চনছ, 🕏 नामिक रहेश बढाव ॥ त्या मार्थिक नाया स्व क्रोनिक छाद्यः ज्ञासदर्, कून्याकात्मा (एम क्रास्ट अक त्थर छ, मृत्रेष्ठे रेरण के । ए १८७० जुल्ला है छ जुल्ला है कार्रिकोत के अवस्ति। भूगा ३ पछन करिए छिल्मी उभूह र भागा । र एक र मुख्य पुरा । या गाव केला साझ । भविष्य् सदित कामान कामान का एक भविष्या महिने, भविष्य भड़ना वाला-भारि वांध्यातः विश्वतः । कृषि (५ नाव र वाजित्स काल भी हिस्ति है। ए जार भारत व्हार दि ভাগ দ্যানে করি অসমেন, ভব প্রের স্থিপুণ, ভ 'জনান তোমার মহিত (ভুলিনে আলার মধ্যেররের তে রস রঙ্গে, রাজ্য সূত্র স্থ্য় কি জৈত মালবিনু ্রার প ভূপ-যদিপার এইকপা করিবারে কাননেতে বালা ত বে তব নহবানে, থাকিয়া মনোলানে প্রাইব ৩ বঃম ম আশা ৷ শুনি মূর্ণ কেন্তু য়াঘ, স্বাকার পাইবা তাড়, সু (६ वटक का मिनी न (१३०)। पितन मोती आशीकाटन, कुष ণ করায় ভূপে, নারীরূপ ধরে রজনাতে ৷৷ হেমরূপে গি রি পরে, মায়া বলে প্রকিরে, পরস্পরে করে স্থাভো ग। करह कवि कानी भेंद्र, इहिंशा अ तम श्रम, अथा कान

## कति मर (योग ॥

॥ शशात्।। एथ प्रार्थ यमक॥

काभिनी नहेशा मूर्थ जुधत स्वद्य। याभिनी पार्थ তে थारक ভূধর ছদয়ে।। एक बार्श छथा पिन्न करत्र या भन। তিলোভিমা করাইয়া ছিলেন যাপন। মহাসুথে রাজা দিন করেণ বঞ্চিত। পরিবার রাজ্য সুথে হইয়া বিঞ্চিত।। তৎ কালেতে দুরবস্থ কাঞ্চীপুর দেশে। পূজা গুণ হত হয় হিৎসুকের দেখে ৷৷ রাজ্য হীন রাজা রাজ मि । স্ন্ত। সেইলন্য ছিলস্ব ছিলভিন শূন্য।। পরস্পরে হয় সবে মহা অত্যা চারী। দমন করিতে না রে রাজ, শিশু চারি।। নাহ্কি বিচার হয় পাপাচারী সব। সেই জন্য কোপানিত হইয়া বাসব।। খনাবৃষ্টি করি ধান্য করেণ বেভায়। দেখিয়া ন্বার অতি বিষয় বৈজ্ঞায়।। ভূপতির দারা সারা পতির স্বভাবে । দিব। বিভাবরী সতী ভাবিত স্বভাবে ৷ একদিন দৈব যোগে विभिन्न छिन्य। पिथिशा भवात इस मूर्थत छिन्य ॥ यही মহাতিলে মত্ত নৃত্যকরে ধন। কৃণ ছিলু ক্নী ঢাসে নাদে থিয়া ঘন।। ঘন দেখি কিতি ভারা ইরায় করে ঘন। যা হে শস্ত হৈতে চায় অতি ঘন ঘন।। বারিদ হেরিয়া ধ निक्विहिए (योशिनो। अनिया (योशिनोत श्रृनि स्यार्ड स्माहिनी।। ध्रा एक्टउट्ह पक्ष विदीत्न क्रोवन। व्यक्षाङा र्य रेमन्। भूजा उ। जिर्फ जीवन ॥ मकरन शाहरव भूग विभिनिहें कन। योप (भय शब्द्धा स्टिंड नार्य निकन्।।

এই ভাবি রাজ রাণী আছিল মোহিতে। তৎকালে দে থিল জল পৃষ্ঠিত মহীতে ॥ কিন্তু কান্তা কান্তা ভাবে पियानिशि जुला। म जाना यारेख किरम अमामानs करना। यप्तिष नद्रशिक ठेऽकिसाट्ह एमा। उपतिष दा জ রাণী ওদনেতে বেষ।৷ কভুকান্দি ব**লেপতি** হাহা **পু**। ণধন। জোনার বিচ্ছেদে ত্য়োগিব প্রাণধন। কেমন कुक्र । शिया शुरतिनित्न यता। अधिनीति पुवारेया । भा ক সিকু বনে। হাহাপুণে হাহাপতি জীবনের তারা। তোষা হার। হয়ে হারা নয়নের তারা।।অদ্যাবধি আছে পুাণ করি তব আশা। জানিনা হলনা কেন আপনার আ শা।। বহুদিন গত কোন সন্বাদ নাপাই। সেই জন্যে কো ন সুথ গৃহেতে নাপাই।। তৃমি গতি বিধি মম মন পু।। সব। তোমার বিছেদ ভাবে ইয়ে আছি শব। এ সম য় অসময় আসি দেখা দেহ। দেহৈতে রাথহ পুণণ দেখা रेशा (मर्।। এই**क्श दिनारे**शा कारन दाख माता । रेनाम रुप्त भाव थान मा भारिकत पाता।। करह कवि काली श দ দয়ার সাগর। ভার্যনা কি রাজ রাণী পাইকে নাগর।। জাননা প্রুষ রীতি অতি কদাচার ৷ মধু তত্ত্বে মন্ত মন नाकदत्र विष्ठात्।।

## ॥ जिभमें ॥

এই ৰূপ রাজ রাণী, হারা হুয়ে নর মণি, নিত্য নিত্য কান্দে সুবদনী। উদরে না ধরে অল্ল, শরির হয়েছে জী ণ্, জাবনায় দিবস রজনী। এখানে অরণ্য মাঝে, ভূপ

ভিষ্কার মোজে, নিত্য নিত্য করে সুথ ভোগ। দিনে नात्रीयको करण, जुमन कता सु जूरण, कान करम शर्छ द म प्रामानाती गढ वर्छ। इतन, भूभाज जाशात वतन हत भृद्यञानद्यञामात्। एय अञ्चत्। मात्म, यात्रनात क्या बाट्य काद काट्य थाकित ए बाद ॥ वित्यत्य शर्ग वन, शख्न शक्नो वर्गन्त, छात्रि पिर्ग करत् कनत्व। তাহে তুমি ৰূপ বতী, হইয়াছ গত্ত বতী, বল আর কি ৰূপেতে নব। দিনে হও অখী বেশ, পশুগণ মধ্যেছেষ শেষ করিবারে সবে চায়।তোমার পক্ষের বলে,গমন করহ বলে, পশুবলে ধরিতে নাপায়া। একণে গব্তের ভরে, याहेवादा रेम्न्ड ভরে, তর্ব সাধ্যে না হইবে আ রাএকপ ভূপের বাণী,শুনিহিত মনেমানি,শীঘু যাল্লআ লয়ে তাহার।। অতিশ্যু বেগভরে, বিমানে গমন করে शोभान चारहन भ्रष्टा भरत । भ्रान भरत करत गठि, भ्रार्व द्भि निया गिक, निरम्पर शुद्द एम काकी शुद्ध ॥ हाति मछ मित्रक्ति, यथन विभारना श्रम, मध्यप्र शुरवरण या বাসে। ভূধর বিচ্ছেদ ভাবে, শোকাকুল ভিলসবে, ছে ক্লিতারে সুথার্স্তবে ভামে। রাণী শুনি সুস**্**বাদ, করে यन करतिहाम, शुान नात्थत शुरुत्रागमान । किन शुरुत শা তার, দেখাছবে পুনর্কার, বহুদিন গত যে কারণে ৮ রাজা অস্থিনীর পাকে, পাড়েল বিষম পাকে, পাছে টের भाश পুত্রগণে। দিবা পুায় শেষ শেষ, जুর दिगो नाती (व भ, रूटवे (भएव भिभ योगमुत्न।। धरे बने) यही ताब, ना

कतियाः कान बताक, जलः भुद्र तार्थ जुन्निनी। करह के विकानी भए, किन ताला क विलय, कर्के हि यूगन स्वी हिनी।।

ভূপান বিচ্ছেদে সবে ছিল শোকাকুল। शयात्र।। बद्धरम् पिथिया (मर्य बात्न मु भुजुन।। ज्यानत्मद्ध नाहि नीमा नाना वाए। वाटक । नृष्ठी भी अ मरहाद मत काशी পুর মাঝে। রাজার তনম চারি আসিয়া নিকটে। চরণ विभिन्ना चर्णु बरह कब भू रहे॥ वू भन बाबजा बाका वि জিসি তথন। পরস্পর জেতে করি করিল চুষনা৷ তৎ পরেতে পাত্র মিত্র সভা সং যতা দকলে সত্তোধ করে রাজ নীতি মত।। এই ৰূপ পরস্পর মোহিত যথন 🗜 দিবাপু,ভা তেয়া গিল নিশা আগমন ৷৷ পরি চার কেরী रहित हहेन रामिनी। साद्ध साद्ध वाि मव क्रांनिन ्यमि।। तबनी एति अताका यास वर्षः शुद्धः। यश्विनी माहिमी करन चारक रा चार्गारत ॥ म घर मुन्दर चि वर्गान विखद्र। शान शान यगि अदन पृष्टि यदनार्द्र। তুরুণী বনিতা সহ অবনীর পতি। হাস্য পরি হাস্য ক রৈ আনন্দিত মতি।। রাণির বন্দিনী গণে মোহিনী হে तिया। म विदम्ब कदर जाता मन्ता रहेया। व्यवधान है। শরাণী নিবেদি চরণে। অসম্ভব কাব্য এক দেখিনু নয় নে।। যেই তুরকিণী রাজা রাখিল ভবনে। তিনি যে শৌ शिगो बान (पथिनू नश्रान ॥ भागाधती अनुती कि इरव निमान्त्री। माझा बर्टल जामियाटक एक भारते अती।।

্ছ্পের এরপ কর্ম শুবংগতে শুনি ্মোহিণীরে দো वादत हिनन स्मारिनी। मिथिता (य क्रम वटन मक्नि क्रिं। मक्रि पिया बामा रहेन दिक्र । निक्र श আসিপরে হয় ভাবান্তর। হরিবে বিষাদ তার পুরে শে অন্তর। শোকাম্বর পরি সেই পর্যান্ত উপর। শুই শবের প্রায় হয়ে শোকান্তর । হেন কালে নরা গ্রিপ গ (वृश्वि वागादा। अवन्। नाटजट् एत्थ मुद्रा महियादा অপৰপূৰ্প তার দে ৰূপ কি ঢাকে।অককারে আলোক ति नुकाय किरम তाका। नाष्ट्रिय यात्नाक उथा तमनी या জ্ঞার। লাবণ্য বে ্তিতে গৃহ ছিল বেগ্রতি ময়। ভা त् ऋण ভावान्तत रहतिया स्माहिगी। दुत्रिशी नाती वृत्रि पिथ्याट् धनी ।। अरे कश कि हुक्त छिलाक वि म (न) यहिवोद्ध कुछ कदा गथुत वहन।। वद्ध कन विधु मुथी अबल नित्थी। भ बल जुडिल किस्म मजुक इ (मिथा। मुक्त किरिद अद्युविका नार्दि। कि वि রাগে এবিরাগ পুকাশিলে এবে।। তালতিওট গীতঃ ত্য**ন্ত প**্রাণ দুব্দ্ধ য় মান, রবে উভয়ের মান, আমারে ব্দপমান পূর্ণ করণা। আমার একথা মান, রবে উভয়ে त मान, नजूरा एख किर्वल याजना। एति जात हन्मान न, अश्रित रंग्न भूगि, मुश्रित कर्तला मुलाठना॥ এই ৰূপ তিন দিন সাধে রাজা তাকে। অন্ন জল ত্যজি রা ণা সদা ভাসে শোকে।। বিশে বিয়া কত আর করিব ক্ पन। यह कडे भारत इस माहात मिनन ॥ जूभित मून

্ৰেণাগ নহে কোন দিন। পুরুষ দুক্ষনার মান ভাঁছে পুতি দিনা কভু তিলোভ্যা মৌনী কভু বিভা বতী৷সাধিতে সাধিতে তার মায় দিব। রাতী 🔃 এই ৰূপ কিছু কাল কাল কৰে যায়। শ্ৰীনি শ্ৰেছিণী ৰূপ রাষ্ট্রাভী ময় र्हेटन मण्य याम भर्द्धंत याउना । छेम्य र्हेन सामि পুনব বেদনা। জামিনাতে সে কামিনী পুনবে नन्मन। তাহার ৰূপের ভল্য অভুল্য ভুবন ৷ বি সাতার ডুল্য ৰূপ নিন্দি নিজ মাত। । অপৰূপ ৰূপ তাঁৱ দিয়া ছেন शाजा। दालात रहेन পूथ छाउ नर्सकन । बरा काना इन शुनि करत शुकाशन।। এই बर्ल पुरे ठाति भाठ मा स याया हम मारम अमिरिक महा थुमे रस।। अधीनित गर्ड बाउ रहेन नमन। अथ मक्क विन नाम ब्राधिन ता छन। बाधु बाधु मधु वाका नार्के नार्कि इस। करम शक् বংখরের হইল উনয়। ভূপতির চারি পুএ আছয়ে আ গ্রেতে। নিযুক্ত থাকয়ে তাহা রাজ্যের কার্য্যেতে।। নৃপ তি থাকেন সদ। অন্দর মধ্যেতে।তরণী ভার্য্যারসহ প্রে ম আলাপেতে।। দূত মুখে বাভা পেয়ে কলিছ ভূপতি পাক্রম করিল আসি সৈন্যর সংহতি।।গুনিরায় তনয়ে র বারত্ব পুকাশ। তিলোভমা ত্যব্ধি রহেবিভা বতী বা স।। তাহার নিকট রাজা ছিলেন যখন। মুনি শাপ বি মোচন তাঁহার তথ্ব।। নারিল যাইতে ৰগে তনমের ने दर्ग विकन विकास किंछि भाउ मात्रा (मादक्श) छू

सामी जाकित जाय अमन मन्य । मिपुः सं शानता जा मा एपिया उनस्यां जय बद्धात , विष्ठा वृष्ति कि करिव আর। চারি বেদ চোদশান্ত মুথাগ্রেতে তার। বোড়শ दस्यत तदा इहेटन नक्तान्शिवत मुक्तिशीषा क्रिक তথ্য। পুতি দিন তিনবার যেন কেছ্ কয়। রফমে বি क्यानिकाम्जेषं नागग्।। ज्यकाताक र्यं वक बा রাতিনাধুনির মহীপতিমোহ যায় সেই শব্দ শুনি।।বহু क्के भारत द्वास भूनहरूलन भारत । देवरम् त्र-निपारन किछ् 'ষ্টৰখি নাপায় ।। ভাকি চারি তৰয়েরে কহে নয় মণা। আনহ তদন্ত কোথা হৈছত হয় ধূনি ৷৷ তোমরা সুপুএ ম র বংশের ভিলক। হেরিলে বয়ান হয় হৃদয়ে পুলক।। क्रिक्रिमाहिक वाङ्गा भागाउँ विषम। किहु मिन छ ন্য সত্তে ছাড়ছ ৰদেশ্য শুনি শীঘু চারিজনে পিতার वहन। याजा कृति कृति क्वित्वक ভति আद्योहगा वहहरा गक ল্যু লক্ষ লক্ষ সেনা। পুৱাল মুক্তা আদি অর্থ লয় নানা अहेकशाश्रम शाम क्रांत्रिया मकत्व। गीउ वार्य का गार লে সদানদের চলেনা তৎ কালেতে অর্থ মৃঞ্জা অধির ন ন্দন। জ্বোড় করে নৃষ্ঠাতিকে করে নিবেদন। অবধান ন রমণী মম নিবেদন। বাহ্না হয়। তববাঞ্জা করিতে **সাধ** ন ৷ অতথ্য অনুমক্তিকর মহাশয় ৷শব্দের তদন্ত জানি ক্ষিৰ নিশ্চয়।। শুনি ধরনীর পতি সভানের বাণী। কা জিবারে কে এমন্ত কহিল জমনি।। পিতৃ বাক্যমিণরে ধ ति प्रथत उनशा अननी मप्रन मव विरभविदा क्या। या

ইব বিদেশ নাতা অনু মতি দেহ। পিতৃ বাঞ্চানা পালি ल वृथा रहा (पर्।। छनिया मञ्जल निकालिका क्या যাইবে বিদেশে বাছা শুনি ভয়ন্য় 1, রাজার কার্য্যের ত্ত্রন্য বাধা দিতে নারী। যে হেত কয়েছে বিধি ভূঞ্রে व नाती ।। अञ्चव वर्धन मिलाम स्वत् तो। कीयस्नत ভয়নাই রাথ করে করি।। एक রক্ষ কিমন কি মায়া ধ রী হয়। **নহি**বে কাহার শক্তি করিবারে কয়।। যথাই ছা তথা কারে যাহ বাছুদ্রেন। এফণেতে অমরা পুরে थामात भयन।। यथन अथारन् जुमि यानित्व नसन्। य রণ করিলে মম পাবে দরশন ii এতবলি তিলে**ডেমা** सामितः करिया। हेन्यानात्य भागं भागं विमुक्ति भारेया पुर्थ हिट्छ अर्थ मक्षा माटवृत चारमरमा উख्दत हिन्न দৈই শক্ষের তল্লাদো।। পূর্কের সজ্জিত এক **চিল অথা**ব র। দৃষ্টিতে কঘন্য কিন্তু গমনে সুন্দর ॥ সেই অন্ধের। श्रृष्ठं विम नृशि निमान्। विमान विष्यं भाष किन গমন। প্রেমী বিচ্ছেদ ভাবে কাতর ভূপতি। তাহা তে পুঞরা করে বি:দেশেতে গতি॥ মহীপালের চিম্ভা अपूर्ण कानी भर क्या जावना कि काया नाषि बानित्व हर्ने नियु विश्वमी ॥ अस्ति । छन्य ॥

এরপ করন, উগর সন্দন, 'পার্জন করিছে চলে। অ খ মঞ্জা তার, অগ্রেতে সবার, যায় অথ পক্ষ বলে।। ল দ্বী রাজ্য কত, শৈল কত শত, অবিশান্তে চলে হয়।ছে রি মহা সিদ্ধু, নৃপ্ত মৃত কিন্তু, হয় কিন্তু কিন্তু নয়।।অনা শে ভাছারে, অপহেলা করে, পার হৈল অথবর। হৈরি কিন্ধু পার, রাজার সমার, নাবিল ধরণী পর।। অথ ধ্যর্থ যমকঃ।।

্তৰকালেতে অশ্ব, হইল অদৃশ্য, অশ্ব মঞ্জাপায় ভয় : ভঙ্জেরতে অশ্ব, হইল অদৃশ্য, অশ্ব মঞ্জা পায় ভয়।। अवाहेन इति, अनाहेन इति, अपय रहेन इति । एदि फारमा प्या, अस ममुप्तस, तांक शूध शति शति शा अतिसी প্রিহরি, করিল প্রীহরি, অষু পতি তট পরে। কমে য ত উঠে, তত ভয় উঠে, পুরেশে অরণ্য পরে॥ অটবী मुक्ता शखेत निकतः, निकत्तं नाहिक इस । मध्य मि ল, হইয়া বিকল, কভু বা মূচ্ছিত হয়।। বলে এ সম্বটে जबन निकटि, निভाइ भागांड रन। यह दिन जाना, छात्र देखा जामा, भंग जामा काव इव । देखा जान इ রি, মম পাণ হরি, কোথায় যাইলে ছরি। আছিল যে আশা, সে আশা নিরাশা, বিবরে ধেরিল হরি ৷৷ হরির উদয়ে, হরি সমুদয়ে, ভয়ম্বর ধুনি করে। শাখা পরে হ ক্সি, ৰি বরেতে ইরি, প্রাণ যায় হরি করে।। ফণা ছাজ भग, इहेन विमयः इति भय भव इति। घर्ध इन। इन, করে হল হল, গিলি বারে পারে হরি ॥ আসিতেটে ই ति। काथारक बीरति, भुग त्राथ रति रति। मञ्चा वा मादत, कतिरव छेम्दद्र, बरन भाग चिति इति । कहा लाग कत्र द्वाशिकात थन, शायन भावन एति। नगरें वाम বক্তেই-যাস্ব, অক্সজন ভয়েহরি। জয় প্রীনিবাস,

গামে নিবাস, বিৰয়ে হইল কান্তে। তথ্য জীচৈতন্য, निका सनापनः परिमापत ए अकारत ॥ सम पीन नाथः দ্বীৰ জন নাথ, কৃপাকর হে মাধ্ব । থাকিয়া গোললে, थाकिया लाजरन, वाँगास फ़िल्म माथव ॥ अवस्क वि পিনে, বাঁচালে বিপিনে, তোমা রিনে কেবা পারে।বি পিন বেহারিচ জয় রিপু হারিচ মরি হে সিন্ধুর পারে। मझटी शुरु हाए, हाथियाँ आहार, रहि विव र्ति छात्र অহিবিধ খায়, নিবেদিভোষায়, বিষ হল সুধাতার !৷ জয় 🚁তে জয়, করিয়ার্গবিজয়, বাচাইলৈ ধনঞ্জয়ে। আ মারে এবার, রাথ সারাৎ সার, হিৎসূক জীবের ভয়ে তোমাবিনে আর, কে আছে আমার, কাকার মারণ ল ব। ঠুমি ভয় ত্রাতা, বিধাতার ঘাতা, সর্মজীবে সম ভা व ॥ न। पिथ উপाय- वाथ वाष्ट्रा भारा, भाउउ भारन भाग्या कञ्चिव भर्ती का मक्टिनी इत्कः, क्रिल पुद्धित्व নামা। এই ৰূপ তব, করিতে কেশব, কৃপা পুকা, শিয়া তায়। দেখাইল পথ, অতি মনোরথ, বিপিন মুধ্যতে রয়। অপূর্ব পুস্তর, তাহার উপর, আচ্ছাদনে ছার রুজ य चार्छ তाहात, कांक पूरे शात, शामाता हका मुक्ता वाजाव नम्पन, विशित्न यथन, कान्मिया व प्रश्न इसा দৈবের ঘটন, তাহার লোচন্য আদন্ধিত সত্তে তায়।। হেরিয়া সুভ্রু, পুল্কিত অঙ্গ, অবিলম্বে তথাযায়। দে থে দে পুত্তর, অতি গুরু তর, নাপারে দাড়িতে তায়।। रङ् क छ भारत, जुलिया भुखात, मुन्दत मुख्य भाषा । याय

গার পার, কত ভয় পায়, যদি কিছু ঠেকে পাস্ত্র য় বিদ্দ সুক্র, সুবর্স্থেতে তার, সোপান নির্মাণ হয়। হে রি নৃপ সুত, ইয়ে হফ চিত, ক্রমে ক্রমে পুরেশম। যোর অন্ধকার, আছে সাধ্যকার, তাহাতে পুরেশ করে তাरर निमाकान, कान मम कान पृच्छि कत्रि वाद्य मा রে ম নাগিয়া কি করে, পশুর নিকরে, কি করে পাইবে ত্রাণ। ভাবি এ সকল, হইয়। রিকল, পুবেশে রাথিতে शागा किन्दु पिठाकरत, मीमु पिठा करत, निभा करत क রে গতি। অরুণ কিরণ, করিল বিশ্বন, বিলের মধ্যেতে ছেগ্রতি। রবিক পুভাব, পাইয়া মভাব, হইল তিমির ভার। युरा मृश्चि करतः, धातकारतः स्रतः, ভ্যাञ्चल मरमत ভাব ॥ बेदनक कछिए, मुख्य १ हेए, वाहित इहेगा युर। भारेन भर्द्र, यन मर र्द्र, रेकनाम भर्द्र आहि छैव।। বলে ভাগ্য ভাল, জीবন বাচিল, পংইয়া নরের वाम। धना एक केथत, प्रयात मागत, भूतोटल मदनत वा শ। এৰপ তথন, নরেন্দু নন্দন, উল্লাসে ভাসে অন্তরে प्तरथे गृह रमा छ। हन्मु खिनि शु छ। नाना ছारन मृ छि করে II) ছেন কালে তার, নয়ন আচর, হৈল অলুর্ক সা লার। হেরিয়া বাজারে, যুবা মনে করে, করিতে কিছু बाहात ॥ कर इस्मकी नम्ने थिछन विश्वम, कंड रह कि চিতা আর ৷ আচ্ উপনাসঃ শুরাওগিয়াআশঃ বাজারে করিয়া ফলার ॥

প্রহার।। কিবা বাজারের শোভা দৃষ্টে মন হরে। কথায় ভূলায়ে কেহ কড়ি পাতি হরে ॥ দিব। বিভাব রী তথাইয় বেচাকিনা । ব্যাবসাদারে ব্যাবসাকরে করেবেচাকিনা। কাহার ঘরেতে আছেমোটামোটা কড়ি কেহ কেহ জমায়েছে কত টাকা কড়ি।। নানা দুব্যব্যব্য माञ्च व्यावमाञ्ची द्रञ्। नाहि मु, य छेश मय द्रञ्जविद्रञ (कर (विष्ठिष्ठिष्ठ) बानू करत कति जुन। वर्ण नाहि शा বে ভাই এর সমতুল ৷৷ কেহ কছে এইদরে মিলে কি বে গুণ ৷ সকালে জ্লাতে এলে মরি কি বেগুণ ৷ কেহ ৰে हिट्डिक् साह होने भें हि हुए।। भटकम रहेन छात्रा हा तारेया हुएगा। (कर कर करह पर माभृत जाइ करे। মেচণী কহিছে মাচ লবার দাম কই ॥ বাজারেতে দে থিলাম বেচে নারিকোল। বড় বড় থোল পূর্ণ করা নী दिकान ॥ किइ वद्या नइ छाई यामात अ परे। शाहे পাই বেচি ভাঁড় ভোমার মাদ্ই ৷৷ কেঁহ্**ৰলে আ**ছে মা থন আজিকার তোলা। পাই দরে দিব পাত **শাস্করি** তোলা।। কেহ বলে লহ ভাই আমার এ ঘুটে। হেন क প नाहि , शास्त्र अ वाकात में , ए । वाहेम , घोरफ़ ए कति তাকে কম কার। কহ ভাই শীযু করি আছে কমকার। কেহবা বেচিছে আনি ইক্ষুক বোমবাই। বলে ভাই ই शास्त्र विनाम करत वाहै।। भाग मात्र माक चानि विद्रा এক বুড়ী। বলে বাছা বেচিতেছি আঁটি আটি বুড়ী। শররাণী আনিয়া শোয়া বলেলও বেচে ৷ যোড়া যোড়া

পয়সা আনু ওপ্রাড়ায় বেচে 🏗 কোন ধনী বলে দেশ েক भात श्रीकरने। गुर्ग कतिएन जात्र यनारम श्रीकरन ॥ क হ বলে আনিয়াছি সকের জলপান। কেহ বলে সহভা रे जान हाँ कि भागा। रकर वर्ण नह पुष मुक रहा। ना है। नाई किए पिय काली जाटर ऋषि नाहै।। किर्वाल शयना पिति की ब डिंग्ड्रि एन। शयनानी विनित्त एन। अवस् काव एका ॥ एम वत्न भारेदव कि छावना कि তার। কিন্তু ভাই তবক্ষীর হয় কি বেতার।। কাকি দি য়। লঙ টাকা করে ভাল বেশ। ফারে রশুনের গরু মুথে दल दिला। गम्ला मागि वृद्धा कथा भिदक्क क्रिका है। क्रीत बार्य कापू जात रसनि का नकात ॥ शास कीत পেলে ভাল হই उ তার তার। কড়িচাহি য়াছি বলে ব निष्य दिखात ॥ अहेकथा वटन गानि सन्द पिया शदतः খন্য পরে দেয় ক্রির পর্যসা পেলে পরে । কেহ কেহ ম यवागीत भाकारमञ्जूषाय । मिष्ठे वरण मिष्ठे नय जुहे হয়ে যায়। বলে ময়র। মাশী আমি তোরে ভাল বাসি নিত্য আর্সি তবু মোরে মণ্ডা দেও বাসি ॥ ভাল ছিল মাসিতোর মা बुड़ा মাগি।খাসা মণ্ডা দিত থেতে জবে আমি মাগী।। ময়রা মাগিবলে আইস বৈস ওরে বাছা शां (पिथ এ मन्मम वाजातित वाहा।। এই बाभ हाति पिर्टिश रस (पना निना। किर् यहन (पना पना किर् वल দেৰা। কাপুড়ে কাপড় বেচে বিলেডিয় থান। সর্ভ বেলে ছার্ছ ক্ষে কভ সভ্রঞ্জান।। যুব রাজ হাট দেখি।

अबन वाबात, नव अनीहात, वतानात कतिरह याता। সকলি কু দাঁড়া, সবেধর্ম ছাড়া, অর্থের কনে তেসারা॥ থালি জুরাচুরি, ফন্দী জোরাবুরী, কছ জনে করে কত। দেথিয়া সে ভাব, সরল স্ভাব, রাজ স্ত হত চিত।। আসিয়া বিদেশ, ৰাজারেতে ধেষ, মনেতে জলিল তা व। किखु कृथानन, श्रारह शुवन, शर नाश्क्रत जाता ভাবিয়া সুধীর, ক্দেকরে ছির, এক দোকানেতে গি য়া। ভুঞ্জে দুব্য কত, মন বাঞ্চা মত, কিছু অৰ্থ ভারে দি য়া।। তৎ পরে দে ছান, হইতে পুহান, করি পূর্ব দি গে যায়। কত শত গলি, ছাড়ি যায় চলি, কভু পাছুসা নে চায় ৷ক্রেমতে সুধীর, মহলেক্সবীর, আনি উপ দীত হয়। দেখে কত জনা, করে আনা গোনা, লমা কো छ। वृष्टे शाय।। कारन श्लाका कूल, रहेफ़ि काहै। हुन, विश রীত পৈতা মোটা।পরি ধের ধৃতি, মনোহর অভি, षा॰ त्राका बारखन योहा ॥ हामत कामदत, याहेरह গোমরে, গায়েতে চন্দন মাথা ৷ করে ফুল ভোড়া, সা **টা জোরি মোড়া, ফুল হার ফুল পাথা। বেটারা কি স**৭ ঘরে নব ড॰, অন্ন পুত্যহন। মেলে। আতর গোলাপ, ম। शा हि बचाद, नहा सवा (कांछा पाटन ॥ क्टब कका श শ্ব, সে নহে তে। অভি, লোচ্চ। দেরি এ ৰভাব। শাস্ত্র

दक्ष क्षेत्र छहु छोल दिन् इन्दर्शन बद्द च छोव। वादा न्म। छेशदा, हाका है गाहि श्राद्ध, नव विभाग वाहात। রানা অলক্ষার, গলেতে সরার, তাহে কুসুমের হার।। কি শোক্তাকরেছে, কি নালা পরেছে, হতে স্ভাটার বা ना । स्माना स्थारक्रंत्रं, छाता शिक्षा (यदा, रशाफा यह त्वतः कृता। दिक्ककाः क्ष्यः, स्थाः देशकाकृतः, वराकेष লোক্ষার ফল। যুই বেল মালা, ভাতে আছে মেল। শেকাপ পুভতি কৃত্য দ কেরি বেশ্যা চার্ডরাভার স পিশ্চ প্রতিশয় বরা করি।৷ রক্ষেণ্ড কলি ধুন্য ভামিক मि, স্কলি করিছে। নাশ। তোমান্ত কারণে, মকে, সান্ত্ ক্রে প্রথমে করির।আশ। এইপে প্রাকেপ, করিলা निर्देशको, कजिएं इस्ट्रिंग्स्याभ शृह् । श्रारक्ष छक् छन्। यदाः রম্যাছল, করিলেন থতি: রোধনা ফ্লে কাল্লাভার, নয় नलाहर, हेहैन क्षे गुवर्छ। य नाती स्वाभ, वर्गिव कि क्री, जन क्रश्र ज्वर क्रिया ज। श्रीकि त्यानामत्न, त्यात्व শেরে প্রায়ের কামৰা মনোজ্ঞ বর।১মতি ভক্তি ভাবেন ভাবে,ভঙ্গ দেবে, করিয়া কটোর তর ।। ভূপন তনয়, হ रेक वियात्र (इति क्ल भरते। इत् । का कतः जेमस्तर शक নে লেচভাঃ করিয়ে ভুতিবিজন। সময়ে নে ভানু, ত্য ক্লাপিক ভুৰুধ নিৱ ভালিল ধ্যান্য পুত্যং এভাবে, ভা ्व कर (पृट्य, निहार् करें देत, स्थान ॥ का कि एन गया वि, परेथे इम वंडी, मण्र्थे , जूबई मुंछ। रहरत रम माव

ণ্য, হয়েজাৰ শূন্য, হইল ধরাপতিত তেওকালেতে জ ত, গিয়ারাজ সূত্র ধনির স্থিত করে। আতাংপরি চয় বিশেষিরা কয়ঃ আসাহল যে পুকারে ॥ শুনিয়া রন্ধীঃ किरिष्ठ् अमिनिः कविद्यान्त्रात्रपनः। कायाः काद्रगः मिवि शकाननः पिया शुव भठकत। जामखद चाणाः ভোনার **এন্দ**রাঃ যে হেডু সামুর পার লিবের গুদাঞ (शत्मम चशुभारमः धन्। दाष्ट्र (महे ज़िन्न । भूपस्कतः हान তব বাস স্থান: সকাৰ,পাইলা আনি । হবে, <u>বলি শক্তি</u> নেবি পশু পতিঃ এবৈ সাক্তিৰি হি ছিমি।। যুকাদকে জ নীঃ একি কথা শুনিঃ আপনি খারবে দোরে চুলানি জা গ্য ধরঃ আমার দোদরঃ সন্সাচে না দেখি কারে।। জ व भूथ छति। जिल्ला कति तकिः श्रीसृष एकद्वासामा । अ नु मान कतिः ভिमा कि मुन्यतीः एतिएत एतए ए एएत।; अ बाण यहरनः सम्रत्नत्र वादनः ध्यादात्र भीषित्र एक । नाक নিয়া ব্যাজঃ শীঘু যুব রাজঃ তারে করিল বিবাছ ॥প 'রে কেশ বতীঃলয়ে নিজ পর্তাঃ যাইমা আপুনু-সাক্রম 🖡 यो वत्तत कृतिक्ष उपन स्मिनाक्ष्मन मुख्ये त्वस्य जारम ह এৰপ দুজনেঃ পেুম আলাপনেঃ বহুদিন গতহয় । বৃদ্ধি ত रमत्मक्ष्मन**्य जनम**्द्र त्रामरज्जनित्स् याच्च भवित्म দে প্তকঃ হয় যে অধিকঃ সক্ষপে ক্ষিন্সুতি। বেষ্ট एक अकामारमा भारक निर्मानरमा महार**्ध मह**्छी । हा ति शास्त्रवागः स्कूश व छीवामः अवदश्र किरणातव्य ए अक मिनान्स<u>रक्षश्रक्षश्र</u>क्षाः स्वाउक्**रत्रश्रा**क्षाः विकारक्षाः स्व

न लान लिंड बामात मिनिंडः कृशाक त्रि खन्मिं। कित जैव बाणाः मम पूरे बनाः शृक्ति उद्ध खन शानि।। जाता महिष्माः बिष्कृशावाताः गृर्ग कत्र प्राता। नद्द शुर्ग मात्राः इरेदक जाताः विधान कत्र दे खता।। जाता कि म् मत्रीः करिवादा नातिः य एक इद्यक्ति नात्री। इटन प्र बनः बानिय कमनः बन्न नशमा थुती। खनिया किट्या तः द्रांष ह्याबत्रः शीफिन शृक्षणद्व उत्त म् वपनिः कर्दा खिलाः बामि शाव कि क्रम्य जाता खनिन् यक्त शः कित्र कि क्राः पिरिंक मिन्न विभाग कर्द्या शिन्न यक्त शः कित्र कि क्राः पिरिंक मिन्न विभाग कर्द्या शिनः वि स्वाप्त विभाः श्रुम काम पिन्न मो। खटन क्रा धृनिः नि स्द्र ना धृनः प्राथित कि इद्य धनी।।

ा। भयात ॥

निम्म न निशा गायु माधिवाद्य काय ॥ ि क वजी नाम তার করিয়া শ্রবণ। পুতি বাসি সদিধানে ভিজ্ঞাদে ত थन।। সদয় रुहेशा जाता किट्नाएतदत्र कसा (यह कुटेी द्व তে চিত্র বতীর আলয়।৷ জমিতে জমিতে তার নিকট যা ইয়া৷ বলে চিত্ৰ বতী ঘর দেহত চিনিয়া ৷৷এইকথা বলি তার যায় বাছ জান। চিত্রবতির বপহেরি হয় হতজ্ঞা ন। বিচিত্র তাহার বাপ নয়নে হেরিয়া। চিত্র পুত্রলিকা जुन। तरह मा आ रेया।। विवयजी करह कह खनि वियत ণা তাহার কাছেতে তব কোন পুয়োজন ৷৷ উত্তর না পায়ে কন্যা হইল দুঃথিৎ। উত্তর কে দিবে তার নাছিক मिष्।। वात्रषात जांक नाती मधुत वहत्न। अखत अखत তার শুনিবে কেমনে।। কিঞ্চিং কিলছ পরে স্বিত্রপা ইয়া। সলোচনা সম্পেতে কতে সম্বরিয়া।। अन्य भा हिनी धनी जागांत रहन। एंपोरेया एक हिंख वंजीत छ বন ৷৷ শুনি চিত্রবতী কহে আমি চিত্রবতী ৷ কহে। সুপু রুব তব কোথায় বসতি। বারস্বার কেন তুমি।সুধাইছ নাম। তাহার কাছেতে তব কিবা মনকাম।। শুনি সবি শেষ তারে শুনায় কুমার। যে স্বাশাতে আসা হলো नि কটে ভাহার।। চিত্রবৈতী সতী অতি জ্ঞাত সর্বজন। ময় নে নাদেখে কভু পুরুষ বদন ॥ শুনিলেন নিজ পতি আ শিয়াছে কাছে। বি**লেক্ড কেল**বতী বিয়া **ক**রিয়াছে। ইহাভাবি নেত্ৰ তুলি নির্থে বদন। অমনি অবনী পত খেরিয়া মদন।।নারীর চন্দ্রাস্যহেরি ধরাপতি মুত।ধার **107** 

প করিল ধর। ইয়ে জ্ঞানহত।। পুতিবাদি পুতি পুতির। मिक्ट इंमि। इंटिंग्टनो प्रारोत जाय प्रथ निया या मि । अकेकशावनि जाता द्वांस वामिस। माहात ए তন করে যতন করিয়া।। তদন্তরে বিবরণ করিয়া খবণ। ছরিকে অপিন বার্টে করিল গমন।। চিত্রবতী অধ্যঞ্জয় উভয়েতখন পরস্পরলানণে তে মোহিউ দুজনাকেশাই कीत्रक्रमणुका पिया निष्माना कतित्वन युविकत्र मञ्ज्या कक्षम ॥ मोजियान गकरतत माथनः मकल । क्रिन विया রঞ্জ ফ্রান্ডেক কল্মা আ**শাতী**ত আ**শা ত**র্ম**ও**ছে ৩৭ भि। এथन श्रु ब्रिका जाना स्मृद्ध निशानी । । जिन नाम श्रमान्त्र अनिमा अवर्ग। यद्युद्ध द्वाशिया हिना यनम कुल बदमश आमा अनु (मार वाहि मिहाकस मिन। कहि इिलाम छोत्र व्यामा कल जाम ॥ मग मन छेन्तात्नरङ (मरे वृक्क हिन। मगरा **भा**रेस । তাर्ट् कुमुहमः व्यात्रिना। कुल (पथि कुलयनू शानित्लक वाना (सह जन। इहेशा हि লাম হত জ্ঞান ॥ বিশেষত ভুক্ত তব তুল্য শরাসন। লো চন কটাক্ষ বাণে বিভিন্নেক মনা এই ৰাপ কৌত্তক করি মাকিছুক্তবাস্যোগসময়ে ধনীকরিল বরণ চাত্রাছি म शुजार याना भक्क शृङ्गात । (मेरे याना गरनएस्य स्व হেতে দৌহার।। একপ গন্ধ বিক্তা করি সমাপন। প इस चार् । एत काल करतम याश्रमता किट्ना द्वत इसकर्य सुनाब संस्थि। कदह कवि कामा शर शान छ। निवासी, ॥ इ

## । त्रम मिष् श्रीमविनाम । ।

। অথ বসন্ত বস্তুন। ।। অথ ন্যু কিপাদী

এক্সপ ঘতন, বাডে দিন দিন, উভয়ে উভয়ে শুতি 🛊 আহার বিহার, সুথের অপার লেরস বস্তুন অতি ॥ ক ত মত রঙ্গ, করে পতি সঞ্চ, শ্রনঙ্গ পুনক্ষেতে। হেনুদ্ধের কয়, বসত্তের জন্ত, উদয় ক্রুজগতে ।। ফোটেলত কুন, एक स्थित मन । य अस्त न दिविह क्ष्म । कंत्र बन्। १ दिविह नि भाशासात, गुरु भूकुमात बुल्य। हिल्मतः बिल्या द দক্তের দেশ, আর্দেশ করিল রাহ্যাঃ আমিন্ডার চর, শুদ ছ ভূচর, যত আছু তার **লুজা।। শা**দু দিয়া**রন, ভুগেতু** ট কর, তবেদে নিজ্ঞার পাবে । নহে ঋতুপাতি, হবে কাপ মতি, মহাশাকি স্ট্ৰপাকেয় এৰপ কাৰিল, क्ता नामिन, नक्ता नामिन के त्रा रेक्ट्र क्ट्रिन, रक् ালা তাড়িলঃ যভ আড়েন্ট্রছে ধর ॥ বলেরে কোকিলঃ তু ্থতিকালঃকাল শর তোর বর। মরিকিবে ব্রুসঃ ত ণ এড্ডাপঃ সৃচ্চিত্রাছেন কে ইবর ৷ শুনরে সাগিকী कि। यस साक्षा वाराम छे १ कि छे जुक । वादलात कूटनी ারপ জুন্তু। বেছ কিপাইবি সূথ।। যানি তোক গছ को चार्यं मुक्तिक्रिश्द थुन कत्र। (बादा एउ जानीक प्राक्ति विरयोशी, यनद्रा कि पिरव करें।।

অথ আছেও মধ্য যমক্ষা কর রক্ষে পায়, কর রক্ষে পায়, এমন উপায় কর [ রবে প্রিভাবিন মগ্রাম নিক্তিন কর্মান কর বি 25

न चट्ट रुतिः जीत्रेयन रुद्रि, चानि উপकात कर । उद দিৰ করঃ সাক্ষী দিবা করঃ বলি বলি কোরি যোড়কর।। विटाइटमट्ड परिः पिव कात्र परिः याववा काहात काटह। কাছেনাহি পতিঃ দেখে তব পতিঃ কালহয়ে আদে ক। हि॥ कान कान श्नीः कति छे छ श्रीनः यटन खरत कान ছব্নি। বড়কান্তকরঃ করে করকরঃ দাঁড়াভাকি কলিইরি। चानियात रितः (जामादा मि रितः कर्दा नहेंदि क विश्व यहारिय इनः इहेटल नियनःकद्र इन्। कर्षा करत। नाहिकाना कानः नकान विकानः केञ कानिस्य प्रदेश जुबि बज्रकुः कत्र कूक्तुः कूट्टा क त्रदव कुत्रदव ॥ पर्ध ভোর পাকে: ফেরে পাকে পাকে: যত নিষাদ সকল। नानित्न वाहाशात्यः शिविद्यंशादकः एथं माउ नना मकन ।। अक्न विक्रां रः शिक शर्म करि, यात्र मद्य सीय वारम । विवरिव वरनः हरन लिक वरनः बमछ वाबाव शास्त्र। स्टान महीलान, कान लाग कान, पन वन निश সালে। সেনা পতি কামঃ করে ধুম খাম। পুরেশি বির हि बादबा शांदक नान कल। तमाल तमाल कि कर ভার ৰাম। কাল দোবে করে। শক্তেতে ডরে। যোগি রে সঞ্চারে কাম ।। দেখে চিত্র বতী। হাই টিত অতি। পতি আছে তার পাস। সদাসুখি কালা, নাহি কোন काला। नाथादत अजुत जान गा किंह, पिया शदत। त्रमणी युवादत्र। वटम खन शुक्ष अणि । विवोध अकाद्य। मट তব আসা। কায়পায় শবাকার। কিন্তু সে দুষর। বিহার্ তাহার, তোমাবিনে সাধ্য কার। রাজ পুরী মাঝ্যের নিদ রহিয়াছে, মহা কুছ কিনি পাস। যাইতে বিহল্প, হুদয়ে আতক, মানে সে রাজার বাস।। কহে কবি বর, শুনহে কিলোর, আদিলে কি শুভক্ষণে। ধন্য ছে তো মায়, নারি গণে পায়, ধরি নারি দেয় য়েনে।।

विश्वी। - রাজ পুএ এত শুনি, বলে কি শুনালে ধনী, বাক্য শুনি,সন্দেহ জন্মিল। তোমরা কু है दि बात्य, त्रत्य कुर्श्विन कार्ट्स, दाक घटन त्र्यान পড়িল ৷৷ কুছকিনী কৈবা হয় কেন তার কাছে রয়, শু नारेया मन्मिर विनाम। खान वटन विव वंजी, कहि ख न भाग शकि, य कर्ल म तरह ताज वाम ॥ कुश्किनी कर नम, बाल वाफ़ि नानी एस, धाबी करने करबेरह का লন। রাজ মক্তর্নিছলপিতা, সে আশে বিমুখ ধাড়া, হ রি তার হরেছে জীবন ৷৷ পিতার সরণে মাতা, হইলেন गर् म्छा, गर्भ पिर्य जिल्ल देश्वत । भाषा छिन म रि। पत्री, ल्यादक्ट इत्वय मात्री, हात्राहर्द विद्य কে বারে।। ভিনে অভি শিশুমতি, দয়াকরি সবাপু তি, म शक र**हेब शु**द्धा शिष्ठ**। (म म**मस्य भाकास्त्र, ুনারে ভাসি নির্ভর যে হেড রিপক পুরাপতিয়া রা का व्यक्ति छानवारमः किछु पिन ताक वरिमः, विक्शा छू िन मर भाक। ताका करें। ममखात्म (मूह्क द्वापि

द्य मिरनः (याद्रा जादि जोदिङ जनक ॥ (थिनि , द्रांक क न्तान्तरमः मर्द्शाय कथायः भरमः मपानत्मः किछ् प्रिन या अ। उरभात योदन कानः शुकानिन शुग्न कानः जूना ল ভাৰিত অতিশয়। গণক আনায়ে বাসে; রাজন তা রে বিদ্ধানে; গণিবারে যোসবারপতি। গণক গণিয়া ক यः अन हाला यहानयः विवाद्य वर्ड क्य चिछ।। বে হেন্ড সিদ্ধুর পার; আছে বর এ সবার; লন্ধিয়া আ मित्व मरहा एषि। षा अव कि कि शिक्तः (मह मर्द्य यमू মতি, পূজিবারে দেব পশুপতি।। রাজাবলে আমানবে প্রদানন্দে দেব শিবে। নিরাসন্দে হবে তবে পার। ও নিতার অনুমতি, তদবধি তারা পতিঃ পুজি পতি পাই তে দুন্দর ৷৷ প্রভাবতীর প্রভা হেরিঃ ভূপতি যতন ক রি, রাথিয়াছে পুরির ভেতরে। স্বতম্ভ মহোল তার, षाद्धकादा हो किमान कुर्क जाराक मियाकदा ।। कि ক্লিক দাসীর বিদ্যা, পুত্রক সে মহাবিদ্যা, সকলেতে ব লে বিদ্যারতা। ষগ,মর্ত্য তিন পুরে, পারে তত্ত্ব বলি বোরের বিদেশে ভূমে থড়িপাতি।। শতএব ওণ মণি। अक यु कि अनु आनि कार्य । निर्धा रूप्य अना आदम् । त्रि স্কৃত্য আছেকানে, অনাদে তাহ্নতেওঁকৈসে, বাইতে পারিরে তার পাশে রিযুবাবলে বিশু সুথ্য কই শীবু আন ৰেখি, দেখি গিয়া দে বাপ্তব্ৰেমন। প্ৰভাৱ লাবণ্য ल्दा क्यरम भुरवाधि मता भुग करत कथन कमा। भारत क्रिक्र के जी भनी, थएस चरगुर्छ चानि, युनादास्क क

বিল প্রুদান। রাজপুত্র দিলে পায়, সেপায় কিলোড। भारा, नान जूना भोपूका कित्रग ॥ माएक स्थन निवा পায়, রাজা পায় জবা পায়; সেই রূপ নির্থি সে রূপ। विष्क्र विवासि यात्रां, पर्थ मात्रा इद्रजाता, श्राहीनभ त बारग काम कृषा। ताब पूथ हित यहि, উठियादि মানো পরি,পুরীমিরীকণ করেতার।তথন শর্মরী ভারী দ্বারে দ্বারে কাগে দারা, ঘন হন ছাড়ে হুহু সার্যা থড় মের গুণে করি, অনাসে পুবেশে পুরী: অতিশয়াসভয় অন্তরে পেথিলেন পুভাবতী,পুভারে নিন্দিয়া ক্যেতি নিত্রিত স্বর্দ্ধ খটোপরে ৷৷ নানাত্রব্য ভক্ষনীয়,চর্ম্য চ্ য্য ৰেহ্য পেয়, মণি ময় পাত্ৰে পূৰ্ম্ভ কাছে। তৎ পরে पिरिटेंड भान, विषे विन्न बार्ट्ड भान, मुवर्ड्ड दिका वित्र गांद्य।। दीदत शीद्ध शिक्षा गूद, जनगांक दिन मन, কামিনা নিদ্রিত অ বহুয়ি। শেষেতে থড়মে বসি, চিঞ বতী গৃহে আসি, বিশেষিয়া কহে সবতায় ৷ওথানেতে পুভাবতী, নিদ্রাহইতে যুবতী, নয়নেতে বারি দিনা না त्री। कृषास भी फिल रस्ये, जकन कतित्व यास्य, किछू नारे (पिश्व मुन्दरी ॥ शुष्टिस्ट्य क्लिमकी, वर्त কুছকিনী পুতি, অতিশয় কুছিত বচন। ওনে কহে कু इ किनी, क्रमङ क्रांक निम्नि, व्यवधान मन विद्यपन है। নিত্যৰিয়মিতমত,আয়োজন ছিল্যত, মিছে কেন দেহ ষম দোষ। আপনি মুমের ঘোরে, ভোজন করিয়া পরে निर्माधित (कन कन्नताय। कुश्किनी यछ करा, छाहा क W

बि ज भुडाय, गानिएम जूरेन माहिनी। एथिया जात विभए, माक्षा एस कानी भए, मडाइम निर्फारी कुर किनी।

পরদিব। শর্করীতে ভূপতি তনয়। প্র अग्राज् ॥ **ভা**ৰতীর **পষ্যা গারে হইল উদয়।।। দেথে পু**ভাৰতী স ভী অংখার নিজায় ৷ ধীরে ধীরে যুবন্ধান্ত নিকটেতে যা য়। কিন্তু সে রজনী রাদা আছিল ভাগিয়া। গত রজ नीत ठिळा चल्दा हिलिया।। यथन (म चंदा युवा कतिन পুরেশ। ভাবিত হইল মতী দেখি তাঁর বেশী। বলেৰে न (पथितक गठन मुन्दर। किलादन किम्दन अन यामा র অব্দর ৷ আকার নরের মত এত নয় নর ৷ ভাক্তর কি भुत्रम्पत्र किया भागवत ॥ यात्राथाती व्यवभारे नाहिक म ब्लिइ। महीद्र अंक भनाई (पर सद पर । भूदर्भ अमिद्राहि গশ্রিদ্যার মুন্দর। মুড়ক কর্ম ট্রা অতি পরমঃসুন্দ রা। বিদ্যাবলে বিদ্যালয় করিয়া গোপন। কি স্থাপয়ে थाना अत नाकानि कातन।। नतानमारुश अरे ताकाव खु যম। কেমনে এমন গৃহে আইল এজন।। নতবা এহার ठाई मिं प काटी बाटक। मुन्दर मज़क मज़ भिंप कीटीया (कू)। এই क्र इमंद जी खाबिए यथन। उथन किरमात সূচৰ করিছে ভোজন।। এক বার চোরে ধরি করি মনে खादना भुनावरन काचनाई अकः (य किहरव्।। अकारव अकार्य हों प्रविवा किंक्ण । किंक्ट्र ध्रिव वाध्र क तिसार्छ्कण। এই क्र वण्कण विखाकति थनी। विन

をか

एमत्रकेटन भटनपदन विदनापिनो । एठादनन ठाजुनो हून ठख রার করে। চোরের মতন যুকারতে চুপকরে ৷৷ গ্নীবলে গুণমণি দেই পরিচয়। দেখিয়া তোমারে বড় পাইয়া ছি ভয়। দেব্তা গন্ধ কিষা হইবে কিন্ত্র। পরিচয় দিয়া ভয় করহ অন্তর II দুর্গম **আলয় এই** রাজার ভূষ न। जन्रदक यागित्व छग्न वात्मन भवन।। अहेबाभ वात्र ষার কহিয়া সুন্দরী। পরিচয় চাহে দুই চরণেতে ধরি।। দেখিয়। মিনতি ভার মহীপতি দুত। বলেতবে মে সক ल कतायवंशक ॥ महि मुतामूत्र मांग क्यानत करमा मा मान। मानव बाजि वाम मशेखला। नात्री वल अकि क था कर महानय । मठा ना दिन लाग जा कि विक सं। जुना अवस्थी विन कति अहे इन । नातन किवन वदन चारम अरेक्ना। अवाश की दर्म शंग कतिन त्रभगी। अध মঞ্জাদাকরোধ পণ কথাশুনি।। ভাবে কি বলিবে তায় राकामाहि मुर्थ । विचान नाकति यपि भूग उत्त पृह থে। এরপ নিমের মাত্র চিস্তাকরি মনে ৷ সগুণে স্বর্ক श मय करह नाती शादन ॥ यकार्या साधन कना आमि সিকুপারে। বিষম শঙ্কটে পড়ি অরশ্য মাঝারে॥ বছ বন জন্ত দেখি ভাষ্ণে হইকিন্ত।কিন্তুদে दृথায় কিন্তু তা बार्य किसा । ভাবিদিব। सन्। मट्ड फिन् पिनदायामि শাতে নাশিবে পুণ সন্দেহ কিতায়।। এরপ আঞ্জনম न जनत्न यथन। श्रुका छ शुखत जक मिश्नु उथन। जा श्वाज्ञा ज्ञास्य विश्व विश्व विश्व । भूति मक्ति से जासम्हि

म बाउक ११ हो फिट्म बनुष्य दोन एकिन यथन । यबन খানন্দ তাহা অতীত বন্ধন ৷ তৎপরেতে কেশবতী সা क्रिकेवजी। पूरेनात्री বিবাহ করিয়া রসবতী।। পড়দে র শুণে আদিলাম তব্রাদে। আশারস্কার কর আদা श्य वाचारम्। अठविम निष्ण न पिटलने यथन। विभाग्न इहेन थनी (मृथिया उथन।। हिनिया थएम निक (कर्म, व जि किन। युवर्रादेश भाग । भान किति द्वान (भव।। कद्यदक प्रक्रिया कर लहेगा भागत्य। यात्रस्य करिन भण्य नानात म तरक।। किन्छ मि किकिउ छाथ मा द्रिश्व भरत। कार्य। অনুসারে রামা যাইল বাহ্নিরে ৷৷ সেকালে নিজার বস হয় ব্ৰয়াজ। পরেশুন সভালন সহকির কাজ। প্রনা ভেনেই রাম। তত্তানি তার। রাখিল যুবারে নিয়ানি क्रुन्न भावात।। कन्।। विदार मिर्ड नाहिन वामना। रमहेबन। निक् बीरभ कतिन हानमा।। उद् कालए शु ভাবতी আসিয়া বাছিরে। কান্তে ना হেরিয়া ভাতে মূ ছ। যায় ডরে। কি বলৈব। মন্তবল অপৰূপ অতি। প। नक् निक् हानिशाशिन कुमजी ॥याहेश। वनिध मारब भुका शिक मृछ। अबु शिक कनेत्रत इहैन छ। गृज । शिन ছেতে হন্ত দিয়া তত্ত্তরৈ দারা। কিন্তু সিন্ধ দেখি কিন্ত एक वरह शाता।। करू कारव सरश्रीवृत्ति इरलाइ अम व। कछ् जन जल भभ जारा भारा भव।। कछ्तान वि বিংকেন আমাতে অ পাতি।কিদোবে এরপে রোবকর ম ম পুতি ৷ হায় কোথা রহিলদে প্রিয়ে পুভাবতী ৷ কো

श्राव। म ताक भ्ति अय अषुश्राठ ।। अवून इनिध्य লে কিদেপাই জল। কেপারে লইতে পারে হয়ে অনুকু ল।। নাহি জানি হল কিসে এথানেতে আসা।এথন সে হলকিলে আশা নাশা আসা।। কে করিল এ দুদ্দা ভা कि आनात ताना। अकल यानिया मन रने भूगिना শা।। এথন যে পূ।। পাই আছে কিসে আশা।যে আশ ্যু আসিলাম কোথাবা সে আশা।। গিতার প্রাঞ্চার জ न् आसा निक् भात । कामिनीत आत्महर मिकामा मू হার।। এইকাপ বছকাপ করিতে রে দেন। পরে হেরে পূ র্ফাদেগে উদয় তপন।। প্রভাকরে প্রভাকরে হরে অঙ্ক कात्र। भाषाभाषा एकति युना करत मार्थाकात। कुन कुन क নরব করে জলপ্রতি।কিক্ব তরজ কথা ভয়ম্বর অতি।। কলেষর কম্পারিক্স করি দরশন। কভু উঠে কভুপড়ে ক ভ অচেতন। এইবাগ শোকাকুল পড়িসিকু তটে পেরে শুন সভালন যে বিপদ্যটে। ইইন মন্ত্রেকান পর ড র ভানু। তাহে দুধা শিপাসায় ফীণ অতিউনু।। তেনকা লে দেখে সেই ভাটনীর তটে।পুরুল তরন্ধ নীরে একজা মু উঠে।। হাউছ্য়েক্তভগতি ধানতার পাশে। কুধার বি ষম ব্যাধি তরিবার আশে।। কিন্তু সেকলেতে তার ন হিল সে ফল। ফলের বৃত্তাত শুন ফলিল যেফল।। রঙ্গা न तमान सिक्षे कतिया गुरु। घु नवय जानि राद्ध मन मु (कमन ॥ किस स जाराटा मुःथ वाष्ट्रिम विसर्वे। नामिक। रहेन नका जून। क्रीक्रे ।। ब्रमारन विभाग ना

ক বিপরীত কথা। যুকার বাড়িল আর শতওণ ব্যথা।
নাসিক। লুটায় ক্ষিতি বিপরীত অতি। কভ্বা মৃদ্ধিত
হয় হয়ে শোক মতি।। যুবার বিষম দুঃথ ভনে কবি ব
র। একপ নিমগ্ শোকে তাহার অন্তর।

অথ্পুভাবতীর বিরহ বস্থনা।।

। অন্ত শমক ।। । পায়ার ।।

এখানেতে আপনার গৃহে আসি পুভা। কান্তেনঃ হেরিয়া তার হয় হীন পূভা য় চমকিত হয়ে ধনী আভ কে সিহুরে । ধরায় পতিত হয়ে জ্ঞান বৃদ্ধি হরে ৷৷ পুণ श्र ना रूट रस पांक्र विष्क्र । धत्री नूतिश भू । स्व भाषा (इए।। वल यम भू।। भाज क्वां रेमन रित्र। त मनीत मनि मम भव पिटह इति। वांधनीति भात इति रहेटन অस्तर। अपर्यन विक्रितिश पश्चित् अस्तरा। किन বা হইল তব এথানৈতে আসা চ্ছার্সি বাড়াইলে মাত্র মদের সে আশা।। এতদিন শঙ্করেরে পূরে মন সাথে। আশা পূৰ্স্ত হয়ে কেন আসা বীদ সাহে ৷৷ সেসাধ বিষা ৰ ৰাথে ভূগিভেছি ভাল। এখন কেনাথে স্বাদন্তার ভ न जान। जिन्हान (थेए नोहे श्रिक्श हि (मकान। একালে আমারে বৃঝি পায়বা সেকাল ॥ সকাল মকাল रण विरक्षरपत्र शारक। हाय होय क्य कारा शरफ़ि वि লাকে। পু তিকার পু তিকার জন্য কব কারে। কিকরে रहेद जानि मुक वहेकाता। जनुमानि महकिनी व या अन कारन। जामारंत्र कृतिन वक्त विरुद्धरमत कारन।।

## ৰূথ বুসসিদ্ধু পূম বিবাস HF

्रम्थ चाप्रान्ध यसक ॥ 🚜 👫 💛

িকার সাধ্য আচেছ আর করে এ পুকার। কায্যনালী। माञ्ची या क्रिक क्लेकाब । विवाद सामाज जान छिन কাল দেব। বিপাকে ফেলেছে তাই দ্লারে কোন দেশ।। পুরু যদি এ শঙ্কটে আমাকে ব্রায়। গুরুতর শাক্তি দাং भी भारति द्वाया। विभारम विभारम शाक्षकत शिया। কায়। বিসম বিবের জালা হইতেছে কায়।ভৌবন ত্য (जन यपि कीवत्नज्ञ शिष्ठि। बोवन में शिव शिया कीवत्नर র পতি ৷৷ সে ৰূপ স্বৰূপ হয় নিন্দিয়া নেমার ৷ শেল স ম শোক বুকে কাজিছে সামার।। কেমনে রাজনে আমি জানাইব গিয়া। কেমন করিছে সন তাহার লাগিয়া।। বহুদিন সাবন করিয়াতারা পতি৷ বহু ৰূপ পতি পাই নিক্সিতার। পতি।। কিন্তু তার কিচুনাহি পাইলাম তা त। किल रुख बाहिशृष्ट् वन्मत्य जोता। हाति पश र য় নাই ছিলাম সেনাধে। চারিণী অমনি প্রেম সাথে বা দ্দাত্র। দে শশি মুথের হাসি মনে ভোলা ভার সে रें अब । वृद्धि এउ विष्कृ एत जात ॥ वाला कात्मदिनारे সা হারাইয়া বর। বাসরে বিচ্ছেদ গীত গায় কবিবর।। ेति -- अप्रात्र।

এইৰপ পূড়া বতী বিচ্ছেদে তাপিত। সন্তা পেতে ষষ্ঠ বৰ্জ হইল অসত। মাক্তচে ওদন মুথে সদা শোকে ভাসে।পরে জিজ্ঞাসিলে পরে পরেকট ভাবে।

স্থীরা ক্রিল তুলঃব্লিয়া রাত্ত্ব 🛊 জুলিলে নৃপের কা ता भारत हून हून भे देवमा गर्ग वामित्राजा करत शुनि কার কোর পুতি কার ভারা দলে পুতি কার।৷ বিভেদ মিকার তার হারেছে পুরল। কি করিছে পারে তারে ও येथित वन ॥ देवना गर्ण वटन बाशि किनि वादत नाति। रिवाच रय जिल सरव नार्याटक नार्ये॥ अहे बाल नार्य र्जिञातामद्वर्गासुखाक्राक्दत्रिष्ठायाद्क्व । जानस्य ভূততে রোজায় স্পানি করিলনিযুক্ত। তাহাতে হইল আ র'রোগ বৃদ্ধি বৃক্ত।। ভূত জ্ঞানে সকলেতে জালিল অন न। আওপে বিভগ আর মুলে মনানশ।। ভিতর বাহির তার জ্লে সমভাবে। যেবুমা সে বুঝ দেখি করি অনু ভা त्व। अहे जान तरह वाला वियान केखत । युवात विवत मद्द अने बन्द्रतं ॥ नानिका बहुरा यू वा दाङ चिनिम् . मनुष्र भवारा नाहि अङ मुख्य मय । मिष्णहेरन भाष्ट्रिक তি নাক বিপরীত। বালির ঘর্ষণে বহুহ তাহাতে শোণি ত্যা কভ কাজি কলে ওরে বিপ্রতা বিপক্ষা নাশিলে कीवन कानि जामाहत स्थक ॥ वाहित्ज वामसम्बाह ক্লামনার শেষ। এখন ৰে ছবালনা হইবারে শেষ। এই ৰূপ তিনদিন পায়েবছ কেশা জীবনে জীবন দিতে চলি লৈন শেষ।। হেনকালে দেখে আর এক আমুফল। ভা मिशा याहिर (वर्ण (महे मिक्क बन ॥ बाब भूध वर्ष ध विकास विकास महत्वत त्विम पूर्ध कथन गोर्स। ति हे पूरा मुक्क वा विष्यामादती अहे जावि मान नम

मृजू विका करत । किल म्यां क्ला एक के निरंग करते।
नामिका रहेन करा काः किल भूषण ।। महेल नामिका के विवास करते।
विवास जानका। की वन उप्रक्रिया यूना तर्मिका की वन ।
पिश्रितन व्याम किल वर्षण म्यां किल के प्रवास करते।
पिश्रितन व्याम किल कार्मिका कार्ति में के के प्रवास करते।
पिश्रित का हा के के बारम शानका । व्याम कर्म के ही के विवास के विवास करते।
हा किल शां ज्यां । मृत्रवीरिन नी विका के विवास करते।
हा किल शां पानि ।। किल व्याक म्यां ने । किल शां पान ।। किल श

তরির আরোহী যত, জ্ঞান বান ভদ্র সূত, আলাশে তে সবে বশহয়। সকলে সরল ভাব, ভাবক দেখিলা জাব, দিনে দিনে বৃদ্ধি অতিশন্তা। কে বুলেইদবের শন্ত ক্ষু হয় কোন কমা, সিন্ধু নাবে তরঙ্গ জন্মান্তা। পূর্বল প বন বলে, জাহাল নিমগু জলে, জলপতি করে সবে ক্ষু মা। যুবার অঙ্গু রি গুণে, জীবনে বাছি জাসকে, বাহ ক যে উতিলেন ভটে। অংশতে নাহিক বল; থাইয়া অনে ক জল, ভাগায় ফলে, বাচিল শহটেন। সবল হইলো পারে, বিষম অটবা হেরে, ভত্তুকরে মনুষ্যের বাস্যুপ্রয়ে দেখে লোকালয়, সকল সেবন ময়, বন্ধু স্বান্ত আন বাস। প্রমিত জমিতে পরে, প্রাচ্ছিকে দ্বিত ক্ষিত্র

वाद्याक्त बद्धत चाणग्रः एपिया जुन्दत वान, युव्धिव भिक्ष मान् शुक्रमा कितन नीयु जाय।। कि कव शुरत्र भाका, तबसी इंटल ७ पिया, नाना शांदन नाना तु खाउ তি। কিন্তু পুৰে শিয়া পুরে, দেখিতে নাপায় কারে, অ ন্তরেছে ডরে শেষে অতি।। ভাবে এ কাহার পুরী, কি क्र रे व्कित्छ नाति, रयागवल किशा भाराभ्य । लाक छ सनाहि पारन, याहेनु काहात शारम, नामा वृक्षि अवाह निक्षा जिन्ना उन्ह नीत, अत्य जानि अहे शुक्त, अ स्क बाद्ध हाद्राटनम भागा मरन अनुमान इस, इहेरो झा क्रमा बार्यः अ भ कटि वक्ष छगदान ॥ अरे क्रम यदन करतः ষরে ঘরে তভুকরে, শেষে হেরে এক স্বর্ণ গৃহ। দেখে তা য় নিদ্রা যায়, সুবর্স্থ লতিকাকায়, একনারী আরনাই কে **इ.11 बबाग म बगजात, उश्च देश्य** जून नाकात, वेस्सूत्रय স্থানান অপ্রেতে। কুন্তল কি চমৎকার, বিনায়ন সর্পাক। র, কা**ক্সক্রিল পক্ষ তাহাতে** ৷৷ কালগুণির শ্রাসন, जुक अजि मुद्रभाजन, नर्ममा हे रहित्र बादछ मछ। कालक ণে পুরল আরু, সপ্রোগেতে নেজ শর্মদৃরেষ্ট হয় সরে হুক্ত চিতা **শ্রুতি অ**তি চমৎকার, নাসিকার তুল্য জ্ঞ अ, १७५ विष कदलब याकात । एन एन करत शर्छ, पृर्धी मारह अयुका छ, उछकत यागी यागान अधीवा य তি সুক্রণাভন, শোভে নানা অভরণ, রূপে গৃহ করিছে শ্বে ছন্স ক্রেথি হ্রন জ্ঞান হয়, যেন এতড়িত চয়, ছির करिन कार्द्र इंक्री। वाहन मुम्दिन कन, मृहे रश उप

क्षश्री (प्राटिश जृथद नन्दन। ज्यानक क्ष्यू भारत, म ষিত পাইয়া করে, মেইংনীর কাছেতেগারী তনু অভনু র শব্র, অস্থির হইয়া করে। নোহিনীরে করিতে চেডন। কিন্তু লে ম্যুয়ার ভাবে: নারী থাকে সেই,ভাবে; ফোন খতে নীখ্য় চেতন ্য অনেক শ্রমের পরে: দেখিলেন সে है यहतः भुष्य वर्ष्ट भिना अक शान्। उनुभरत पृष्टे हातिः भवाक् शारेजन निः इष्ट लोशि हरसर हिम्माणा युवा हाति नियाकुद्धः गठेन পुण्याना कद्धः हैत्त्व शद्धः कामि बी उनुरा कैंगक मीवित्र न्यारमा क्रमी के दिशा दिवरमा युवतारक रमरथे ममुरथे छ। नावरण इस्त माहिरछ, श्रु নাপড়িল মহীতে, যুবারর সচঞ্চলভাব।ভাবেএকি ৰূপ ভাষাং মারীত্যজি নিদ্রাভাব,পুন কেমধরে পূর্ম ভা ব।। এই বুগে যুব রাজ, চিন্তাকরে হৃদি মাঝ; ছির কজু করিতে নাপারে। পরে নারী জ্ঞান পায়ে, শুবার ধরিয়া পায়েঃপরিচয় চাচ্ছে স কাতরে কেহেন ঞীকবিহর, দেখ धनीय्वावतः उववतः यागा इतिकिनाः लामात ভाराति । ফল্যেভাসিয়াপ্রসেচ্ছে জলে; বৌধন মূল্যেতে লাখ্যিনা

অথ যুবার পরিচয় জিজ্ঞানা।
ক্রিপদীনা নারা চায় পরিচ্নাংকে আপনি না
হাশয়ঃ কি আশাতে হেথা আগমান ক্রেম ফলে এইলয়
হইকে দেব তনয়, নিশ্চয় হে নই নানান্তল । আপাল
ভাবিয়া মোরে; কহপুড় সত্য ফ্রেঃ এপুরেতে ক্রেম পু
য়োজন। হেন কপ কেবাধরেঃ ক্রেমেন ক্রিম্নের

दिनिष्ठिलास अ जुवन।। अनि कटर युवावेदः नहि ए क्षाजिनकः मठा श्रीत्रवस् अन वनी। निक् शात्मम् शा মঃ কাথ্যপুর নামে পুমা, তথাস্থৰ্ কেতু নরমণি।। পঞ্ च छन्य छात्रः छन् विलिनाद्राष्ट्रातः यामि इहे कनिस् সবার। পীড়ায় পড়িয়া রাম্বঃপাঠালেন মো সুরাম্বঃতাই मिक्ष भारतः ।। अन्खरत या श्राह्या करण्या । পরিচয়া শুনিয়াবিষয় হয় ধনী। বলে একি অসম্ভবः नदत्ति नस्द्रत्व भव, देन्छ। भूदत्र व्यामिला व्याभिने॥ स মার পশি থা তায়; কহিলেন পুনরায়, তবে তার পুত্র श्र कथा शः पानद्वत विवत्तनः किए वादत कदत मनः (इन कारन (पर्य) मियाभय।। इतिन किइए इति, कतिन कि রণ হরি; নারীর হইল বড়ভয় ৷ বলেহে জুগাতি স্তঃ वाका कत व्यवशक विश्वम महेन वाकि गरा।। वाक अव 💩 ণ মণ্ডিরাখ অণিনার বাণী। গোপনে থাকিয়া এইঘরে। इरेन मर्दरी छात्रि, चानित्य म नव चति, म १ हातित्व দেখিলে তোমারে।। একথা বলিতে ধনী, শুনিব উৎক ট্রনি: গৃচ্ছতে আনিছে দৈত্য পতি। **সমার পাই**য়া ভ स, इत्राह्म (म श्टल्ब्रह्म, (यह सन करह समय जी।। त्रम्यी অমনি ছলে; শস্ত্যাপনে অন্ধ ঢালে; নিদ্রা মতকরি মিন্ত कास। उद्यादमञ्जनकषातिः कामिनीः एउन कति, यंद्रम थनी जलत्यामायामादीयत्व पृताठातः अकिया इलयमाठा त्र, बुताम याहेद्वन्य मान्य ए गुजादन व्यानादका क्रियंनि भारक्षारानि, उन्स्रिशिशिरं बाबाय । उन्हें

ভি) ধরি পদে; বুঝাইছে নানামতে; কাখনা কামিনী সহ वारमा (मेथि मृत पुतानयः) तमती नाहेर्या ७३० विकंश व्यापिटिं डाट्कियास्त्र। मानद् म नामखेनिः क्रिश् हीद কার ধ্নি, স্বাদশ যোজন পথ যাস। বিক্রম আদিত্য রা য়; শান্তি দিয়া ছিল তায়; তাই মেই নামে ভয় পায়না अहेबाभ मुहाछाद्यः शुरुद्यास्य जिन यहाः निका तसनीरक করে ধনি। মৎস্য দেশে স্বস্তু কেন্দ্র থে প্রদেশ করে ছেন্দ্র भूक् दिस नुरान ४३१।। निना जनल्य कारन, त्रानी রে মোহে কেলে: ধৈত্য যায় করিতে ভরণ। পূভাতে রু লার প্রঞা হয়ে স্থা**ত হাই** চিত্ত, ব্যাণীরে কবেণ চেতন। াদ্য দ্রব্য নানামতঃ।পূহেতে আছিল যতঃ দুই জনে ক রেণ ভক্ষণ। এই ৰূপোনিত্য নিত্য উজ্জায়তে পেুন ম ভ, দৈত্য ভত্ত নাজানে ভর্মা ৷ এক দিন দুজনায়; শ্রে মে মত্ত অতি শয়ঃ দিঝক্ষয় নাদেখে নয়নে ক্ষিথ সৰে দৈৰ গতি, রজনী হয়েছে অতি; দৈত্য পতি উদার ভব मिहार काथाय चात्र भाग वाहार्व जातः चाहा ড়িয়া পড়ে সেই থারে। তথা তা সু কু ছ ছ । অপুরিকা পরশিল; তাহে দৈত্য জল্মদশ এনে ।। কর যোড়ে তা রা কয়; ভয় কিহে মহাশয়; আমরা করিব তারে কর। এই বলি ক জনায়; মিলি দৈত্য পাশে যায়; কিন্তু তা রা মানে পরাজয় !৷ সৈ হয় অসুর পতিঃ ভয় করে সুর পতি: মৃত্যু পতি হইল সবারা পরে অঙ্গুরিকা ওণে; স্ किर्छ भूव गर्भः महामुद्र कतिन मभ्श्र ॥ भद्र मर

मृहगाण, करह किरमाद्रवा हार्या, ज्थन प्रहर् मिनुम छ। विश्वप हरेस्न शद्यः छाकिर्यन या। नवाद्यः जकर्ण व्यावारम कति शिछा। ज्ञ विल पिछा गणः हरेर्यम व्यम् मनः छाछि (महे युवक्य वृद्धो। ज्थश्रदा व्यानम् स्रानः वि बारहरू पूरे करनः श्राणात हरेय मधाछ।। व्यमुत हरेय हृतः व्याज्य यारेग पृतः व्यानस्म भाजिन पूरेकन । व्यान या कुमू स जूर्यः श्राणात पिया शर्यः विगाह कतिन मधा शन ॥ शक्य माखदा क्यः ज्ञ क्या विवाह ह्यः यि ह्यः वन ॥ शक्य माखदा क्यः ज्ञ क्या मुख्या एएः (म ह्ये वन पृक्षनात । शार्या नाह्य ज्यः मुख्य य्यः (म ह्ये वश् व्यः श्राणात भिन्न पूर्वत । विक कालीश्रम क्यः पृथ्य दिना मुर्थ्यपत्रः क्ष्ट्शत नाह्य स्त्रान थारन।

একদিন অশ্বয়ঞ্জা শয়নের কালে। শুরের স্বর্গ তত্ত্ব কহিবারে বলে। কেমনে আইল দৈত্য আছিল কোথা মা কিবাপ এ লোকালয় বন্যয় হয়। কিমা দৈত্যের পু রী হইবেক সত্য। বিশেষিয়া কহ পিয়ে শুনি সেইতত্ত্বা শুনিব। কাহার কন্যা আছিলে কোথায়। কেমনে এমন পুরে আনিল তোমায়। এত শুনি কহে ধনী শুন শুন শুনি। আমার জনকা লয় হয় এই স্থান। সঞ্জামি নগর নামে ছিল এই দেশ। ভদ্রসেন নামে পিতা আছিল ন মেশা। কোথা হৈতে দুরা চার আসি এই পুরে। নগর ক রিল বন নাশ করে নরে। শুনিয়া সকল তত্ত্ব রাজার

नक्ता नुकारेका यक्त्राटा जुडे करत यन ॥ शृटक मान्नी क क् नाहे प्रानद्वतं एदा । अर्थन स्म महित्मपं खनाग्न कि (म्लाहाइ)। अहे कश ऋत्नाम्य किछुपिन चारा। काम म श्रविद्य पेसा सर्विति युवार ॥ श्रान्ति चकार चित থিরী। তুমান ৷ অকু ক্লিকা প্রণে দৈ ত্যু করিল স্বরণ ৷৷ অ ब्रह्माउँ रेम्डा भागे व्यवस्थित। निकटि । शुनाम क्रिया। श्रद्शकाट्युक्त मुत्रोत्। अधन किल्लोड कन सन् हेमस्त्र व ণ চমামা দেহেই বৈহা চল যাইক ভুবন। আর সাই জ त युका करत अनुभाउ । छन्तु समानाय आरङ् निनम ভূপতি। পুভাবতী নামে নারী আছে তার পুরী। আ মারে মিলাও লানি থাকিতে শর্করী মা আর দুই নারী शाद्ध नरत याकात (मृंताकदत मुनाकदत सक्दत मेव द। भीयुशकि जा सबारत करें र भिनने। भीतन राजिन रहा नाकि मनन ॥ युवात्र शाहेशा चाइला टेम का करा कन। শীৰুখতি করে গভিষ্থা কন্যাগণ। নিজায় আছিল তারা আপনার বামে। শ্যা সহ আনিলেক অত্থ মঞ্জা পালে। তথপরে পুরেলে গিয়া কাঞ্চী পুর দেশ। তথ न याबिनी शुम्र रहेगारह (नव ॥ पिथिएं) पिथएं व ন্ত হইল শশাক্ষ। তথন কামিরী গাণে নিজা করে ভক্ষ।। षाथित्यनि साउद्भाउ यक्नकारण उत्ता वदन भिरत वक् गरव बिन्निटन क्लात्।। श्रेवंस यथन् शकि एषिन नराष्ट्र। समस्य रा भाग मूथ जात मीमानारे। मत्म छ।

व्यक्तिमाना मानवरका नंते। त्य दर्ख कतिन कमा सम े न हे बहु या। अहे कांद्रश बाजी भए। कहरत्र विष्ठाद्वा युका व লে প্রেম্বনীরে চিন্ত। ন্যাহি আর। ভাতি ভাঙ্গি ফাতে স বে কর নিরীকণা তোমাসভে হারীইয়াভাসিত ভীব ন। অভএব ভোষা সবে করিয়া হরণ ৷ আনিয়াছিক था कंद्य नाहा अ बोदन में जनसंख्य किर्वादया के देवकर भर। भिन्नु भारत वटो याहे। क्या अंगस्य ॥ विश्वील माक करन करना को तेगी जात माकी এই कन कर निजी क्रा करमत्र पुउक्त क्रम (म्थाई क्रम श्राह क्रम विश ग्रन्थ कण मृष्टि करती। जबाभ यथन कथा एस भवन (त । महातारक मर्गाठात पिन अनुवद्धाः **एत वटन मह**े बाह्य कतिनिद्यम्म। वश्रु भक्षामिद्रवन छोगात नमना-अनुष्ठ मक् जांत्र पण्डे। पानवा एपिया भारत्र छन् थामता मानव । व्यम् त रहेश क्टन मानद्वत (महान ए न अशक्त काव्य काथ। (मृद्य क्वा। (मृथिनाय हारि कन्। भवन गुन्नती। जन्मान रय १८४ युवकाल नाती।। किल ना भातिन काष्ट्र ग्राहेट जाहात। एशिया हरेल ज्य मानद थाकोत ॥ ताका वत्न अत मृक् कि कि एल ভিমি। হেন অপরপ কভ শুনিনাই আমি ।। মান্তে সে বংয় দৈত্যে একি চমৎকার**া দেখাইতে পার যদি পা** रव भूतकात ॥ ताका छे ठिलान अजीनिकात छे भत्। अ व्यक्ति (इलाएम जादा एपशहन-छत्।। जनसङ्ग महीतान ডাফিয়া কাহারে।পাঠালেন বধুগণে আনিবারে প্রে।

वाषायरक देवळा भरत नाहिकात उसा यात्रात भूत्यंत्र जाता स्वाप्यम रस ॥ याचिति विधान कृति वार्क मकरन । उनमाछ इस विद्या सहा दिन्ना इस्त ॥ युत्राह চর**ণ তলে করিব পূণ্ডি।**কহি**লেক রা**ছার যে ধ্রণ অ नुगि ॥ (मर्थ युवा समुर्थ एक हारवा हार्या । तारे एक जा नित्ह छत्र दृशिकि इन। अख्यकि महाशान नाताय म करन। बाह्य मुद्र उथन तम रेम्छ। बरन वरम ॥ बाह्यरेम उ। भन करने व्यापनात द्यान। क्या चनुमाद्वरण्डाम् বে বিষয়েশানা তোমা দেরি দরশনের জালাহের ওর্ণা व्यउ वय व्यवनित इक्ष नीयु छत्।। स्थित्। व्यवूत्र गर्ग विव য়া চরণ। অভিশাষুগতি তারা হয় অংশন। তেখন সে अभगक्षा ভार्ता गगम ता । महा भारत बादराहिया। भूदव শে खुरान।। छेन् थ्वि मिसा उद्य यञ्जामा भवा म यञ त गृद्ध वय कत्रिया तत्रगा वयनका महातात विभ য়া চরণ। শব্দের বৃত্তান্ত তারে ক্রাণ ভাবণ।। শুদি স্ট िख दास भूथकर्त कारन। लक्क लक्क पुष्रिक दम्न क्या ल्या चरन भूभ किशा छ न्यभवभक्षा । घृषिरकरण मात राग व मन्मात मात्रशा उपल त हाति भूटक फाकि ग वशिका महामात्य कितिलन सरावपूर्वा । तालायतन र्ध मत्व अभवाधी कि । युक्ठी बध्या भाव व्यक्ति নুমতি॥ তোমর ক্রিনাশ্রকরিয়াছ মম শারু। পুতারণা कति रहि किटन हिंदी भूभा। अथ गञ्जा सनदम्ब स्व स ত করে। কোপান্স পাত্রন করিব তারপরে।। তদন্তর

মিরাক্য উদয়তপন। যুবায়নি অক্ষরেতে বঁথা রস্থূগণ। एएथ **अक गृ**ट्ह दिन नाती क्षत्रखन श्वितात वात्रजा महा करत्र यात्मानन। दिन कारन युवाताक पिन प्रतमन। কিলোরে দেখিয়া ভারা আরস্তে রোদন শিশুভা বতা চ রণেতে ধরিয়া ভাহার । বলে পতি এদুর্গ তি করিলৈ স্ মার।। পুভার সে পুভা ভমি পুভা কর্মানী। তোরাবি মাপুঞ্চা করে হেরিভয়ে। রাশি। কুছ কিনী ভয় স্ভুভ দুর্গ তিয়স্ভা উপযুক্ত শান্তি তার্র যুড়াইতে চুল।।আনিয়া वाधान्त्र एकिन्द्रिक्षाच्या । नटर हाक संस्कृति क ক্ষতেৰ পুৰণা। ভোষাই বিচ্ছেদ বালে ভাষিভাষ শেষ কে পোগল বন্দিয়া সব আন করে লোকে কেতশত বৈ मा आनि केशिनानियुक्त। किषिना छ। हाटक हस स्ताभ वृ দ্ধি যুক্ত ছিত্ত পাইরাচে পেনে সকলেতে বলে। ভূত্ ড়ে রোলার। আদিশির্থরৈ অগি জালে।। অক্ষর বাহির कामा इंहें जा मादि। रमें बाना युण के मुंच जिथिया का সারে। এমপা পালেগ করি প্রভাবতী কর্। তাহতে गुरात रस मुद्रश्य छिम्स विवटन कि निस त्वाक नकत्न रत्न कमे । **अप्रोटिं मैं विज्ञिक्स क्षिल मन** । अर्शित म (ब्रम् मंड विनिद्या शामिटि शिवादी नाही निया कारम मु (ध्रत उत्तर्भा । भुछ। हे अवस्थ चौरव मार्थ मार्थ वि मितन रुप्रकार कर रुप्यन के विकास र एएए एर म रकार्य मिथन। विखीश चर शिख तेन के तिय वर्षन। कि है मिन भटतवा वाका का किन राजन। जिसित जनरस किन

लित मेश्वर्ण । इंगिनित शिन्त्रदेख लाजेनन माम । लित्यंत कृषात्र का द्याणि चार्क नाम । विस्थाय जन्ता भी मार्चे अक्टत (शोफ़ारंस । माथात नत्र मांग शिकारक मन्द्रस्था ॥ इंगिके (शारनाखा खाद खेखदित इस । धीन कानी श्रम फिन ख्यास त्यस्य ॥

। यद अकारनी।

ं। क्रीका अस मक्षा बाका कब्रिया। कार्ट काल सशका न (मेरिया।।। धाउरभात कि एन एनए मार्ग । अर्छ मानी त्राचा भारत य ভारत ।। मृत भनि ज्ना मूर्श मि त्रादा। সভাবের সম পালেন পুজাণ্যভঃগুরে রণ নিশা যো গেতেও সুধারতী সহ সদা মুখেতে মু এক দিন এক কুসু मन्। राष्ट्र श्राची विभागत् श्री एक गर्म। विषेष्ठ व लेख् व्यानिया जाबा स्वानिषया जाव नाथा सुधाय ॥ पू फना क्रविया विधि भएउछि। ठाउँ। रिमा नगर इ एउ। उद्भारत को है। दर जा के वित्र ए। वस्मेरी र मरश मद्र वामिर्छ ॥ दिनोहे। का किन् त निया उर्देन। वामिन ভূপরে করি হরণ।। তথন বিভৌবরী অতি যোর। রাজ ন ছিলৈ<del>কীযু</del>র্যে অঘোর।। পরে রাজা তারে করিচেতন। বিবরিয়াকটে আতা বিবরণ ॥শুনি স্প্রতিকত করি রৌ पन। कमाकत रेटन धतिया ठत्रा। ताजा रेटन माहि वा मात द्वारी जानित्र ठाशास्त्र खिम निष्मीया अथन छा মায়ে সুধাই তাই। রাজ্যের কুশল কিৰুপ ভাই।শুনিয়া त्राज्ञरम करर मकन। रवंजाल घरेना घरिया हिना। अब

र अपन्य व्याप्त । । । । । भाराज्या ज्ञान । । । । । । । ি পিতা পুত্রেমং স্যাদেশে মিলন যথন কাঞ্চিপার वाका भएए भूभाप उथन ॥ निष्युभाव उन्नुद्रम्न निर्मन ভূপতি। পালিতা তনয়ে জাঁর সেহ ছিল শক্তি। নিশা एउ वाहिन करा नायत्थि भुखारेउ। मशीहा हिनेन जू (श कुम् वाद फिछ। बिनियाना मनदन श्रीम जन्म । कान्द्रिया, जुलाजि भारत महाव इस नज्या नाइका जैनान हा कार्यक्षा मदात्र। इत्ताकाञ्चल्या वर्ड कर मगावात्र। किसार असाव मत निर्माधारमा नथी। विद्रानिता मर् छाडं मठाकर पाचि। यस कनो नीनाव्छी किहा भुडा ষতী। দেখি দোষ করি রোম করেছে দুগতি। কিখা আ র আছে কোন অশুভ রারতা। কহ শুনি কিবংগতে খা हृद्य पृरिखा। (गाक बन्द्र मधीशन नाकदत मारुम। अ ব শেষে নরাধিপ পূকাশিলরেম্ব।। রাজারেকুপিত হদ थि करह मानीभग। नुकाल कि नर्यनाम इटबरकू ताइन म त्रस्तीरा भू साव की निषाद्व आहिन। नाहि सानि नत या कि छाटक एतिन। कम दाय नाहि पान वामान बाकाता गुरु रेश्ठ रेनन र्शंत अकि हम्थ कात्र।। अनि व्यवस्य वानी अवनीत शिक्षित्र हात्नादक स्माइरशास প্রতিবেন ক্রিতি।। সভাতে মাছিল যত সভাসৎ গণ। किरेश्न किरेश्नवनिकादमा अर्जनमा अक्नाएं गाहिन

मुख्तान देवारा गण। सस्ट्रेसिक मारण खादा कविन रहे

न।। इन्द्रमन भारतवान त्याक युक मका । क्रानिया क

ন্যার কথা কহে পাত্র মিত্রে॥ পৌরমুথ নামে মন্ত্রী আ ছিল আমার। সবে জান তিনটী তনয়া ছিল তার।। अनाथा (मिथ्या यामि भाविवाम मदत्। पृष्टे नाही छ। জি পরী পূজে ভব দেবে।। কনিষ্ঠ উৎকৃষ্ট ৰূপ দেখি या ठोश्चरत । त्राथिया फिलाम भूती मरश्र मयामरत ॥ किलानि यात्रिनी त्यारंग कात्रिनी तर्व निल। किल्डेर व কিতে নারি নারীকি হুইল<sub>া।</sub> সূবল নামেতে মন্ত্রী সভা य चाछिन। कत्र (याए५ यंशीनील किर्टेड नामिन।। कन्यात्र शानिक थाबी ছिन कुर्किनी। कर्खनि नत्रभि কোথায় সে ধনী। তাহার কাচ্চেতে চর শাঠাইরা দেহ। श्वनाय बानिएक नार्कि मन्त्र ॥ श्रीमान मजीत कथा कति यानायान । पृछ शाठाहेद्या फिल कुरुकित सान।। छ <u> कारन स्म विम्रावजी थिए भाजि (मर्स्थ) स्म स्कर्र</u> রনাতল গণি একে একে ॥ নাপায় ৰপেতে ঠিক দিয়া বহু ঠিক। ততু করে নাগপুরে হইয়া বেঠিক।**নাপায়ে** পে ঠিক ঠিকানা জন্মিল ভাবনা। থড়িকরে মত্যু পুরে क्रिट्र गणना।। पिट्य भटत मिक्कु भारत काकीभूत धाने। मर्स (कजू तास्त्रभू अध मञ्जानीम ।। शूर्वित वानिया ছিল সেই দুরা চার। কোপেতে ফেলিয়া ছিনু সিন্ধুর भावात ॥ (म मक्टि भाग्न भाग चक् त्रीका खला कन्। রে করিল চুরি দৈত্যের মারণে।। দেখিব কেমন বেটা শ द कंडरन। नेत्र द्विमित कानि कानीकाद इन। अहेक

পো করে নারী ভাজন গাঁজ দ। হেনকাবো নুপানুত দিল দর শনাঃ ভূপের বারতা তারে করার অবণঃ যেকপ ব্যাস ল রাজা কন্যার কারণ ম সম্পুতি সম্পুতি ভবি যদি কর তার ৷ ভবে পে বাঁচিবে রাজা নভ্যা স্হার ৷৷ গুনিয়া রাজার শোক শোকে কুহকিনী। উদ্ধানে ধায় রাঙী भाग भाग निनी ।। मजाय याहेया मद्य (मार्थ) (भाका भ ল। কন্যা জন্য প্রাপতি অধিক ব্যাক্ষ ।। দেখিয়ার ভার বেশ ব্যথিত হয়। ধরণী ধাতার আগে কর যো ছেকয়। তিত্ৰ ভয় ৰহাৰয় ভাবনা কি আর। কহি স্ত ন পুভু পুভা বভার সকাচার মদেখিনু সিদ্ধুর পার রাজা **ৰম্ভ কেন্ত**া তাহাৰ তুনয় কন্য নিল বিবাহৈত।৷ **অক**ু লে স্বাচ্নে তার পর্য অঙ্গুরী। তাহার বলেতে নিল ভনমারে হরি neভাঙ্গিয়া চাতুরী তার হরিয়া দম্বল। কন্যা সহ অধনি দিব চরণের তল 🔃 শুনিয়া ধরার পত্তি খড়ে খরে পাণা বলে কুছকিনী পুতিকর পরিত্রাণ।। সে रे कन्। जात जरना नपापटर एक । याक वाला विष्ठा व তীকন্য আনি দেহ্যা আনিবে রাম্ভার পুথে কামিনী মহিতে। এৰপ দুক্ষ তার নাগারি সহিতে ॥ **ংথি**ব (क्ष्मन विकेशिया के उन क्षित्र नाती निन इति कति कि न क्रम 🎗 जुमित्य वार्तिथ भारत मि विवासिका । 🚓 🖰 त्न क्रिम्बद्ध चटन शुद्धां भानित्त ॥ थटक्टम द्राकात <u>श</u>ू রী তাত্তে বহুদুর। চারি দিগে নামা সেনা বে ্ফিড সেপু त्र ॥ चड्यतं जामियाव मुद्यः निक्रवनः। कतिया जुनुनः

त्रुक्षः इतिव मचन ॥ (पत जुन) देमन। मय भन्नीकरम मृ ন। আনিব কন্যানে তার করি দর্গ চূর।। অপুকারে কো अस्टदा अमू इदा जातक। अभिन कु इकिनी हिल वाणी करह তাকে ৷৷ অবধান আবেদন অবনীর পতি ৷অদীম ক**রুলা** ময় অগতির গতি।। একণেতে অনুমতি কর আমা পুতি। শনুরপুতিদিয়া শালাভনাইব পুতি।। ছীমন। ভূপতি বারি পতি পারে যেতে। ছট্নে বংশরা তীও দ ক্ষেত্রি তাতে। সমাচার আর তার জাননা নরেশ। এ करा बिनिट्ड जार्त नार्वण मुद्रम् ॥ शृद्यीरे इसिहि তার অপুরী আছয়। সবিশেষ কহিতার শুন মহাশিয়। শক্রির সাজ্ঞাকারি যত দৈত্যগণ। এখিবেগিলিলে তানু বিধির স্কন ৷৷ রায়কয় কং শুনি সে আর কেমনঃ কেমনে পাইল যুৱা অমূল্য রভন ৷৷ কেন বৈধি সে নিধি খা করিল নির্মাণ। শুনায়ে সন্দেহ দূর কর মতিঘান। রণেতে জিনিতে যদি নারেন বাসক। কন্যার বিচ্ছেদ জুগ লা কেমনেবাসব।নিশ্যয় কহিনু আমি নাশিব ছাবন। कारेत याजना मन इहेल भजने।। धनीकेटर धन्ना भिष् देशया थत छिन। जन तित जामा कम कि खन जामि॥ अनियाङ् मर्व्य लाहन (प्रवास । जाराज नर्खकी या ত ত্রিলোকের মাঝ। মধুরশায়ক তারা লাবণ্টে সুন্দর 🖫 शक्ष जातत शक्ष्म ज निन्ति शक्ष चन्न ।। এक पिन विजिधि वाञ्चित्र रहामदन। क्लीखक पाथिदक्रयान रेट ब्रह्म व्याप्त পদাসৰ দেখি শক্ত ৰূপ্যিম দিয়া কভায় স্বার মাঝে

वनारेन निजा।। शकामन नम्यति कना। भ नन्न । कदर कर मृक्ति कर्छ। कि उद यनन ॥ शुकाना १ रहे व वाबि আমার অদৃষ্ট। তাইমহা পুভু হয় তব কৃপা দৃষ্ট। বুন্ধা क्रम मुत्रताख अन् व्हन। नृष्ठ। पिथिवादा वाङ्गकति তেছে যন। শুনি ব্লুখারি সেই ধাতার মানস। নাচনী নাচায়ে করে তাহারসম্ভোষ।কিন্তুসেদিবস তিলোভর্মা विष्णाभन्नो। मकला निमिन्ना नुष्ण कन्निन मुन्दनी। (पश्चि পুরা পতি হয়ে হন্ট অতিশয়। আপন অকুরী খুলিদি ना महा नय। जिल्लाख्यात भरहं क्या अ युवात हमे। जि लाख्या दिन जारत दिनद्या जनस्य। श्रीनारेज नत्रम्यि का নিলাম সব। সম্ভবে আজনরৈ যাহাহয় অসভব। আ कृत्य थएम निकायामात यावात्म । जारह वरम याहै ए शातिव जात शार्म॥ अहेबश कुहकिनी कहिल यथ ন। শুনিয়া নৃপের হয় হর্ষিত মন। দ্বরায় ভূপতি তা রে দিল অনুমতি। যাহ ৰূপবতী গিয়া আন পুভাবতী।। অথ দ্ব্যথা বসক।

ভূধরের বাক্য শিরোধার্য্য করিধনী।পাদুকায় বসে ক রি কৌভকের ধুনি ।। শ্রীমান দেখিল বেগে উঠিল বি মান। থড়মের গতি নিন্দি আদিত্য বিমান।। নিমিষে পূবেশে গিয়া যুবরাজ বাসে। সেবাসে অত্যন্ত কিন্তু মনে ভয়বাসে।। কিরিতেছে অবিরত যত নিশাচর।প রাজ্যে হয়তারা তুল্য নিশাচর।। তাহে পুরী আছে যে রি বিলক্ষ পুহরী। জনে২ আনে তারা হরি পাণ হরি।।

বাংশতে কোদশু ধারী দক্ষিণ হত্তেশর। নাশিকে পার स् भाग छेप्पिमा भंत। (इनक्राश नगरत्य जुमिरक ए में व । पिथ कुश्किमी धनीः छाद्य शुरशमात ।। उद्भाद পুতেশে গিয়া ত্রানের সহিতে ৷ দেখে রায় নিজাযায় যুবতী সহিতে।। ভূষর ধরেছে ঠকে প্রভাবতী নারী। নারী দেখি নারীর কোষ বঙ্গিবারে ন্যারি।কোপভরে পা পায়দী কাছে পায়েপর। অঙ্গুরী হরিতে ভার হইলেন পর ৷৷ অধুরি সন্থিত ছিভি লইয়া পলায় ৷ বিধিদত্ত নি वि धनो लहेग्रा भनाग्र ॥ वाहित इहेन भूत छात्र कार्भ পু।ণ। দেশ্বিয়া থড়ম গতি ভয়ে কালে পু।ণ। নিশা ম থ্যে সঞ্জামি নগর গিয়া প্রেয়। পুরে গিয়া পুণামিল ভু গতির পায় ॥ তদন্তর বিবরণ বিশেষিয়া কয়। যেইকুপ্ नात्री नाती (मिथराष्ट्रं कड़ा। नर्वर् महाभग्न (महे म श निवि। यात वरन कन्य निन निष्या निवि। अन् ती পাইয়া ভূপ ডাকি নিজ গাত। বলে মিত্র শীঘু করি আ <u> শূতামুপাত্র। আজ্ঞামাত্র পাত্র পাত্র যোগাইল শেব।</u> তথন গগণে প্রায় নিশা হয় শেব।রেজা সূজে দৈত্য তা শু অঙ্কুরী পরশে। ভীষণ আকার তারা গগণে পরশে॥ ৰহাবল দশৱন পুকাশিল শূর। তৎকালে গগণে দেখে শুকাশিল শুর।। তপন উদয়ে হয় নিশার অন্তর। দেখি য়া ব্যা**সল** বড় রাজার অন্তর্যা দৈত্যগণে অনুমতি দিল শীঘু গতি। সকলেতে কর শীঘু কাঞ্চীপুর গতি।। বর্ণ কৈর রাজপুএ অশ্বমঞ্জানাম। তুরায় তাহারে গিয়া সা

म मैंने श्रीम। अनिया बाजात रागी रेम्छ। क्याजन हिर्म स्थानिन भिया बाजात नक्ष्म हो। बाजा भिया बार्थ छ। विज्ञान वालाय। व्यवस्थि काला कारत पिरात आणाय। छप्छत रेम्छ। वर्ष्य आनिजिन मात्री। वश्व कित बार्थ वाजा आणाय। कालाभात भूती। वश्वरम व श्विक हर्म काकी भूत म

छाउँक इन्स्। अयुक्त किम् मुकुत्मत भागा। विधि विष्रु निद् खिरल शुमुका। निधन भृद्धन भक्ति সৈ তাম। ভূচর খেচর চরচির ভূমি।। কাতরে কিন্তরে करह मायन। रहा। कवाना कर्मना यो उना मानारका। एई मा রা নিদ্যা ভনয়ের পুতি। শুসূতাইয়ে কি বিমাভার রী ত। খग नग गर चापि दाव पिया। नहेवा नद नाग भ खिमि निवा। ए निद्य कमाव अभव याउना। विशक्त शिभरमं त्राथ ने दामना। भाषभाषा भरत किटव खरा त्या ভা৷ নধু তত্ত্বেল মন সভ লোভা৷৷ অপী ভালি সুর की कृणांकि नित्व।कि भन्न नन्न कन्नावनी मारक। গলে মুধ্য মীলা গলে রক্ত ধারা। যোগ তত্ত্বে রত তত্ত্ব शे जाता। करत था छ। यता जात्न वार्ग क्ता भने छ ति धदा तमा उटन एटन ।। वाम मीम सदेन एमा वाम हो न । वामना वामना जान वामहीत ।। भावित कबाल সন্তানের মায়া। অভয়ে এভয়ে রাথগো অভয়া। রাজা त्र निकत निर्मापत जारम। भुजारक श्रिमर यनि पिरव ब्राटम।। विभटम बीभटम विकास मात्रा। ज्ञानटम कर

(म (इमा पुः भ रुजा। पुगरम (इ উरम । छमिरम छत्रमा । करा निव छर्। शृष्ट छक याना॥ भ त्रश् छारव जूश छ बानो अम्। जल जाउँक था कवि काली भाषा এই ৰূপ অখ্যঞ্জা কব স্তৃতি করে। মে उपर महाविष्ण बानिन चल्दत ।। याहेबा बालाब शादम দিলেন ৰপন। শুনহে বিলন পতি ছাড়হ ৰপণ। আৰু ।মঞা ভক্ত অতি আসক ধংগতে। যাতনা দিতেছ ভমি তাहाর मस्मिछ।। ভজের জননী হয়ে একি পূলে महा। খাতনা দিতেছ তারে গুরু অতিশয় ৷৷ অতএব শীঘু তা রে করহ মোচন। নহেরাজা সবণ্শেতে হ্ইবে নিধন। এইকথা মহা দেবী কহেন শিয়য়ে। রাভার ভালিল মি का चा उद्य मि इद्या। उथन्तम महात्मवी इद्य चल भूता ন। অখনপ্রা নৃপ কাছে করেণ পরান।। অভয়া অভয় पान शुपान कतिया। देकनारन श्राप्ता प्राप्ता शुकाणि शा। अथारन जिल्ल পতि आनिशाकारितः। (कांग्रेटन রে অক্তাদিল ডাকিতে উন্তীরে। কোটাল দে সমাচা র উভিরে জানায়। রাজার আজ্ঞার্ম মক্রী স্থাইল সভা या। मश्रानत विवत्ता करक्त ताक्ता खरन मंत्री वरन क র রাজনে মোচন। অমদার পুঞ্জ তিনি সন্দেহ কি তার। कादत पुरथ पिटन ताका शादना निकात ॥ अनिया मिक व कथा हम्दुरमन ब्राड्या अर्थमञ्जास व्यानित्मन पिया ब्राड श्वा। नीना वर्छी कन्ता मर् सरे जिन नाती। विवार मिटणन कति क्रमत्तव छाति ॥ अथगक्षात्र मिस्ट वाक। त्रा

ন্ন ১২৫৯ **দাল** তাঃ :৮ বৈশাথ প্র সমাপ্তঃ

